राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 06, अंक 164 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, गुरूवार 18 जुलाई 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

हाथरस हादसाः साकार हरि ने तोड़ी चुप्पी, बोले- होनी को कौन टाल सकता, जो आया है... उसे जाना है

कासगंज। हाथरस हादसे के बाद एक बार फिर भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ सूरजपाल मीडिया के कैमरे के सामने आए। उन्होंने कहा कि 2 जुलाई की घटना से मैं दुखी और उदास हूं। लेकिन, जो होना तय है, उसे कौन रोक सकता है। जो आया है उसे एक न एक दिन जाना ही है।

हमारे अधिवक्ता डॉ. एपी सिंह और प्रत्यक्षदर्शियों ने हमें जहरीले स्प्रे के बारे में बताया है। उसके अनुसार यह सच है कि इसमें निश्चित रूप से कोई साजिश है। हमारे अनुयायियों को एसआईटी और न्यायिक आयोग पर पूरा भरोसा है। टीम सच्चाई सामने लाएगी।

बताते चलें कि हाथरस के सिकंदराराऊ में 2 जुलाई को भोले बाबा उर्फ साकार हरि ने सत्संग किया था। इसमें करीब 2.5 लाख लोग शामिल हुए। सत्संग के समापन के समय भगदड़ मच गई। इसमें 121 श्रद्धालुओं की जान चला गई। इसके बाद से बाद से मामले में एसआईटी जांच कर रही है।

अब बुधवार को भोले बाबा उर्फ साकार हरि अपने पैतृक गांव कासगंज के बहादुरनगर में बने आश्रम पहुंच गए हैं। उनके वकील एपी सिंह ने यह जानकारी दी। गांव में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। आश्रम के बाहर सेवादारों का भी कड़ा पहरा है।

रेल मंत्री ने परियोजनाओं पर तेजी से कार्य का दिया आश्वासन

छत्तीसगढ़ की चार प्रमुख रेल परियोजना जल्द होगी शुरू

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय रेल मंत्री से रेल परियोजनाओं पर चर्चा

नई दिल्ली(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर राज्य की विभिन्न नई रेल परियोजनाओं पर चर्चा की। रेल भवन में हुई बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए रेल नेटवर्क के विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस दौरान उन्होंने राज्य की चार प्रमुख रेल परियोजना धर्मजयगढ़-पत्थलगांव, लोहरदगा नई लाइन परियोजना, अंबिकापुर-बरवाडीह नई लाइन परियोजना, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा नई रेल लाइन परियोजना और रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना के जल्द शुरू करने का आग्रह किया।

धर्मजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई लाइन परियोजना (240 किमी): मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि यह परियोजना क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक

विकास के लिए आवश्यक है। यह पत्थलगाँव, कुनकुरी, जशपुर नगर, गुमला आदि महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ती है। यह उत्तरी छत्तीसगढ़ क्षेत्र को झारखंड से जोड़ेगी और कोरबा-धर्मजयगढ़ परियोजना के कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना के माध्यम से औद्योगिक (कोरबा) क्षेत्र को लोहरदगा से जोड़ने की योजना है। इसके अतिरिक्त, यह क्षेत्र को पूर्व में कोरबा और रांची के होकर मध्य भारत से जोड़ेगी। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 16,000 करोड़ रुपये है।

अंबिकापुर-बरवाडीह नई लाइन परियोजना (200 किमी):

इस परियोजना की मांग आजादी से पहले 1925 में की गई थी। हालांकि, 1948 में मंजूरी मिलने के बावजूद यह परियोजना अब तक अधूरी रही। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह परियोजना अंबिकापुर (उत्तरी छत्तीसगढ़) को बरवाडीह (झारखंड) से जोड़ेगी और परसा, राजपुर, चंदनपुर आदि महत्वपूर्ण शहरों को कनेक्ट करेगी।

इस परियोजना के माध्यम से देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में कोयला और अन्य खनिजों के परिवहन के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 9000 करोड़ रुपये है।

खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा नई रेल लाइन परियोजना (277 किमी):

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह परियोजना देश के पश्चिमी क्षेत्र में कोयला क्षेत्र, एसईसीएल और एमसीएल कोयला क्षेत्रों की निकासी के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करती है। यह बिलासपुर और रायपुर स्टेशनों को बायपास करते हुए बलौदाबाजार के समेत समृद्ध क्षेत्र को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 8000 करोड़ रुपये है।

रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना (140 किमी):

रेलवे पहले से ही दल्ली-राजहरा-रावघाट 95 किमी नई रेलवे लाइन का निर्माण कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने सुझाव दिया कि इस लाइन को जगदलपुर तक बढ़ाया जाए, ताकि आदिवासी क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास किया जा सके।

केजरीवाल की याचिका पर फैसला सुरक्षित, सीएम के वकील बोले- 'सबको जमानत मिल रही'

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति में भ्रष्टाचार से जुड़े सीबीआई केस में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। फिलहाल, हाईकोर्ट ने केजरीवाल की जमानत पर फैसला 29 जुलाई को आएगा। ईडी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें पहले ही जमानत दे दी है। हाईकोर्ट में केजरीवाल की तरफसे वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और विक्रम चौधरी पेश हुए, वहीं सीबीआई की तरफसे लोक अभियोजक डीपी सिंह ने अपने तर्क कोर्ट के सामने रखे।

केजरीवाल के वकील का कहना है कि वह एक मुख्यमंत्री हैं कोई आतंकी नहीं। पिछले कई महीने से वे जेल में हैं, लेकिन सीबीआई ने गिरफ्तार नहीं किया। जैसे ही ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल को ईडी मामले में जमानत दी उसके तुरंत बाद सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया।

सीएम के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी केजरीवाल को अंतरिम जमान दी थी और और केजरीवाल ने सरेंडर कर दिया था। उसी के बाद ट्रायल कोर्ट ने जमानत दी थी। ट्रायल कोर्ट का फैसला बिल्कुल ठीक था। केजरीवाल कहीं भाग नहीं रहे हैं और उन्हें झूठे मामले में गिरफ्तार किया गया है। केजरीवाल ने हमेशा जांच में सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की ब्लड शुगर पांच बार सोते हुए 50 के नीचे जा चुकी है। यह चिंता का कारण है। सोते समय शुगर का स्तर गिरना खतरनाक है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सबको जमानत मिल रही है, मेरी पार्टी का नाम आम आदमी पार्टी है, लेकिन मुझे बेल नहीं मिल रही। तथ्यों को देखते हुए मुझे जमानत दी जाए।

ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर को 7 प्रतिशत-डॉक्टर

विकलांगताःकोटे से सिलेक्शन के लिए 40 प्रतिशत डिसेबिलिटी जरूरी; ऑफिसर ने एड्रेस भी गलत बताया था

पुणे (एजेंसी)। यूपीएससी सिलेक्शन को लेकर विवादों में घिरीं ट्रेनी आईएएस ऑफिसर पूजा खेडकर का विकलांगता सर्टिफिकेट सामने आया है। पुणे के यशवंतराव चव्हाण मेमोरियल अस्पताल से 24 अगस्त 2022 को जारी इस सर्टिफिकेट में उन्हें 7 प्रतिशत विकलांग बताया गया है।

यूपीएससी के नियम के मुताबिक विकलांग कोटे से सिलेक्शन के लिए 40 प्रतिशत डिसेबिलिटी होना जरूरी है। वायसीएम के डीन राजेंद्र वाबले ने 16 जुलाई को कहा- 7 प्रतिशत का मतलब है कि शरीर में कोई बड़ी विकलांगता नहीं है। पूजा का मामला लोकोमोटर डिसेबिलिटी यानी चलने-फिरने में परेशानी से जुड़ा है।

पुणे के विकलांगता आयुक्त कार्यालय ने पुलिस को पूजा खेडकर की ओर से पेश किए गए सर्टिफिकेट की जांच करने के आदेश दिए हैं। इस सर्टिफिकेट में पूजा ने अपना एड्रेस भी गलत बताया था।

विकलांगता सर्टिफिकेट में पूजा खेडकर का एड्रेस 'प्लॉट नंबर 53, देहू अलंदी रोड, तलावडे, पिंपरी चिंचवाड़, पुणे' लिखा गया था। जबकि इस एड्रेस पर कोई घर नहीं, बल्कि थर्मोवर्टा इंजीनियरिंग कंपनी नाम की एक फैक्ट्री है। पूजा की जिस ऑडी को जब्त किया गया था, वह इसी कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड थी। सरकारी नियमों के तहत विकलांगता सर्टिफिकेट बनाने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य है, लेकिन पूजा के सर्टिफिकेट में राशन कार्ड लगाया गया था।

विकलांग कोटे से यूपीएससी में सिलेक्शन होने के बाद से पूजा के कई विकलांगता सर्टिफिकेट सामने आ चुके हैं। पूजा खेडकर ने 2018 और 2021 में अहमदनगर डिस्ट्रिक्ट सिविल हॉस्पिटल की ओर से जारी 2 विकलांग सर्टिफिकेट यूपीएससी को सौंपे थे। पूजा ने अपनी विकलांगता सर्टिफिकेट की पुष्टि के लिए दिल्ली में मेडिकल जांच के लिए कई बार अपॉइंटमेंट लिया था, लेकिन बाद में उन्होंने एक प्राइवेट हॉस्पिटल में बनी रिपोर्ट को कैट में जमा कर दिया। पूजा की कैट में गड़बड़ी के मामले में और भी खुलासे हुए हैं। सामने आया है कि पूजा ने कैट के अटेम्प्ट बढ़ाने के लिए अपने नाम और उम्र में बदलाव किया था। सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में पूजा की तरफसे लगाए गए 2020 और 2023 के दो आवेदनों में पूजा के अलग-अलग नाम हैं।

शुभेंदु अधिकारी बोले- सबका साथ, सबका विकास की जरूरत नहींःकहा- भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए; जो हमारे साथ, हम उसके साथ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार (17 जुलाई) को कहा, 'सबका साथ, सबका विकास', लेकिन अब हम यह नहीं कहेंगे। अब हम कहेंगे 'जो हमारे साथ, हम उनके साथ...' सबका साथ, सबका विकास कहना बंद करो। पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में शुभेंदु बोले, 'भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा की भी जरूरत नहीं है। हम जीतेंगे, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सबका साथ, सबका विकास का नारा दिया था। शुभेंदु ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा, 'यह नारा प्रधानमंत्री ने दिया था और यह अभी भी कायम है। भाजपा कार्यकर्ता के तौर पर मैंने बहुत दुख के साथ अपनी बात रखी कि भाजपा की राज्य इकाई को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा होना चाहिए, न कि उन लोगों के साथ जो भाजपा के साथ नहीं खड़े हैं। मैंने जो कहा- वो राजनीतिक बयान है और इसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ सबका विकास' नारे से कोई लेना-देना नहीं है। शुभेंदु ने आगे कहा कि जब मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र में जाता हूं तो वहां विकास कार्यों से हिंदू और मुस्लिम दोनों को फायदा होता है। फिर भी हमें सुनने को मिलता है कि भाजपा एक हिंदू पार्टी है।

यूपी के 16 जिलों में बाढ़, 3 नदियां उफान पर

:24 घंटे में 6 मौतें; कर्नाटक में लैंडस्लाइड से 4 की मौत; 9 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल से सटे उत्तर प्रदेश के 16 जिलों में बाढ़ के हालात लगातार बने हुए हैं। यहां तीन नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। राप्ती नदी, बूढ़ी राप्ती और क्यूनो नदी के उफान पर होने के कारण गोरखपुर, सिद्धार्थ नगर और गोंडा में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। वाराणसी का रत्नेश्वर महादेव मंदिर गंगा में डूब गया है। यह दुनिया का पहला झुका हुआ मंदिर है।

पिछले 24 घंटे में बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण 6 लोगों की मौत हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया कि सभी की मौत डूबने से हुई है। इसके अलावा कर्नाटक में मंगलवार को तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड के कारण 4 लोगों की मौत हो गई। उधर, बिहार में भी बेतिया, बगहा, सीतामढ़ी, मधेपुरा, अररिया समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 24 से ज्यादा निचले इलाकों के गांव में बाढ़ का पानी घुस चुका है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश समेत 9 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बुधवार 17 जुलाई को मध्य प्रदेश, राजस्थान, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और उत्तराखंड यानी 9 राज्यों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। वहीं, 10 राज्यों तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मणिपुर, नगालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा, पंजाब और हरियाणा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। केरल के कोच्चि में भारी बारिश हुई है। एक तरफलोग पानी भरी सड़क से निकलने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं बच्चे पानी में खेल रहे हैं। तस्वीर बिहार के बेतिया की है। नेपाल से सटे इलाकों में भारी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। इस कारण यहां बाढ़ आ गई है।

कर्नाटक में निजी नौकरियों में 100 प्रतिशत आरक्षण

सीएम ने पोस्ट हटाईःकई कंपनियां रिजर्वेशन के विरोध में

श्रम मंत्री की सफाई- यह 50 और 70 प्रतिशत

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में प्राइवेट कंपनियों में ग्रुप सी और डी में स्थानीय लोगों को 100 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला विवादों में घिर गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 16 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। 24 घंटे के अंदर ही उन्होंने सोशल मीडिया पर 100 प्रतिशत कोटा बिल को लेकर की गई पोस्ट हटा ली।

ष्टरू के पोस्ट डिलीट करने पर राज्य के लेबर मिनिस्टर संतोष लाड ने बुधवार को सफाई दी- कर्नाटक में प्राइवेट कंपनियों की नौकरियों में नॉन-मैनेजमेंट पोस्ट के लिए रिजर्वेशन 70 प्रतिशत और मैनेजमेंट लेवल के स्टाफ के लिए 50 प्रतिशत तक सीमित है।

दरअसल, सिद्धारमैया कैबिनेट ने इसके लिए नियम तैयार कर लिए हैं। कैबिनेट से बिल भी पास हो चुका है। इसे 18 जुलाई को विधानसभा में पेश किया जाएगा। हालांकि उससे पहले ही इस पर बड़ी इंडस्ट्रीज ने विरोध जताया है।

कंपनियों के लिए दो शर्तें

बिल के मुताबिक, योग्य स्थानीय कैंडिडेट उपलब्ध नहीं हैं तो कंपनियों को सरकार या उसकी एजेंसियों के सहयोग से 3 साल के अंदर उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। हालांकि इसमें एक शर्त ये भी जोड़ी गई है कि अगर योग्य कैंडिडेट नहीं मिल रहे हैं तो कंपनियां इस नियम के प्रावधानों में छूट के लिए सरकार से आवेदन कर सकती हैं।

सरकार की नोडल एजेंसी कंपनी में काम कर रहे कर्मचारियों के रिकॉर्ड्स की जांच कर सकेगी और स्टाफके बारे में जानकारी हासिल कर सकेगी। अगर कोई भी कंपनी इन प्रावधानों का उल्लंघन करती है तो कंपनी पर जुर्माना लगाया जा सकेगा।

सरकार के फैसले से औद्योगिक घराने नाखुश

प्राइवेट कंपनियों में रिजर्वेशन के कर्नाटक सरकार के फैसले से औद्योगिक घरानों ने नाखुशी जताई है। उनका कहना है कि इस बिल से भेदभाव बढ़ेगा और इंडस्ट्रीज को नुकसान हो सकता है।
मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज के अध्यक्ष मोहनदास पई ने विधेयक को असंवैधानिक बताया। उन्होंने कहा- सरकार को आरक्षण को अनिवार्य करने के बजाय स्किल डेवलपमेंट और हायर एजुकेशन पर ज्यादा खर्च करना चाहिए। कन्नड़ लोगों को नौकरी के लिए सक्षम बनाने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम और इंटर्नशिप पर ज्यादा निवेश करना चाहिए। बायोकॉन की अध्यक्ष किरण मजूमदार शॉ ने कहा, इस बिल से टेक्नोलॉजी फील्ड में लीडर के रूप में कर्नाटक के स्टेटस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।

टेक कंपनी नेसकॉम का कहना है कि बिल के आने के बाद कंपनियों के राज्य से बाहर जाने का खतरा है। बेहतर टैलेंट की तलाश में कंपनियां मजबूरन बाहर चली जाएंगी। साथ ही नौकरियों और कर्नाटक के ब्रांड पर भी असर पड़ेगा। स्टार्टअप कंपनियों के लिए मुश्किलें बढ़ जाएंगी। कर्नाटक में 20 फीसदी गैर कन्नड़ आबादी काम करती है। बेंगलुरु की कंपनियों में गैर कन्नड़ कर्मचारियों की तादाद 35 फीसदी आंकी गई है।

इनमें से अधिकतर उत्तर भारत, आंध्र और महाराष्ट्र से हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, बेंगलुरु शहर की कुल आबादी का 50 फीसदी गैर कन्नड़ भाषी हैं। पिछले दिनों बेंगलुरु में कन्नड़ भाषा की अनिवार्यता पर लंबी बहस भी छिड़ी थी, जिसके बाद हिंदी में नाम लिखे गए साइन बोर्ड तोड़े गए थे।

हरियाणा में अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षणः बिना ब्याज मिलेगा लोन

सीएम नायब सैनी ने किए बड़े एलान

चंडीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को एलान किया है कि अग्निवीरों को प्रदेश में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को प्रेस वार्ता की। इस दौरान सीएम सैनी ने अग्निवीरों के लिए कई बड़े एलान किए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अग्निवीरों को प्रदेश में नौकरियों में भर्ती में छूट मिलेगी।

उन्होंने कहा कि लगभग दो साल पहले 14 जून 2022 को अग्निवीर योजना लागू की गई थी। इसके तहत चार वर्ष के लिए भारतीय सेना में तैनाती की जाती है। अग्निवीर योजना से स्किल्ड और एक्टिव युवा तैयार होता है। मुख्यमंत्री ने एलान किया कि अग्निवीरों को पुलिस कांस्टेबल, माइनिंग, गार्ड, जेल गार्ड और एसपीओ की भर्ती में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। ग्रुप सी में तीन वर्ष की आयु में छूट दी जाएगी। ग्रुप बी में पांच प्रतिशत ग्रुप ए में एक प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

अग्निवीर सैनिकों को 500000 तक बिना ब्याज का लोन दिया जाएगा। सरकार अग्निवीर सैनिकों को यातायात दुर्घटना में घायल होने पर मुआवजा देगी। सड़क दुर्घटना में घायलों का पूरा खर्च भी सरकार उठाएगी। इसके लिए हर जिले में कमेटी का गठन किया गया है। अगर पीड़ित की मौत हो जाती है तो परिजनों को मुआवजा मिलेगा। इस खर्च का वहन हरियाणा रोड सेफ्टी फंड से किया जाएगा । इस स्कीम के तहत बीमाकृत तथा बीमा रहित वाहनों और टक्कर मारकर भागने वाले मोटर वाहन दुर्घटनाओं के पीड़ितों को कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी।

इसके अलावा सीएम सैनी ने कहा कि यदि कोई अग्निवीर अपना उद्यम स्थापित करेगा तो उसमे पांच लाख तक कोई ब्याज नहीं मिलेगा। अग्निवीरों को आर्म्ड लाइसेंस दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

जेएसडब्यूत्प एमजी मोटर इंडिया की जेडएस ईवी की बिक्री तिमाही आधार पर 95 प्रतिशत बढ़ी

नईदिल्ली। जेएसडब्यूं द एमजी मोटर इंडिया ने भारत की पहली शुद्ध इलेक्ट्रिक इंटरनेट एसयूवी जेडएस ईवी के माध्यईम से अपनी एनईवी (न्यू एनर्जी व्हीकल) यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जेडएस ईवी ने अबतक की सबसे ज्योदा मासिक बिक्री का रिकॉर्ड बनाया है। जेडएस ईवी की बिक्री 2024 की पहली तिमाही की तुलना में 2024 की दूसरी तिमाही में 95 प्रतिशत बढ़ी है, जो भारत में ईवी खरीदारों के बीच इसकी बढ़ती लोकप्रियता को प्रदर्शित करता है। उल्लेखनीय है कि, जून में कंपनी की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेकदारी 40 प्रतिशत रही, जो एमजी ईवी की बढ़ती मांग और अधिक ग्राहक स्वीकृति और संतुष्टि और जेडएस ईवी की और आकर्षणको उजागर करती है। जेएसडब्यूईवी एमजी मोटर इंडिया की जून एनईवी बिक्री सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़ी है, जिससे इस श्रेणी के लिए कंपनी की रणनीति और अधिक मजबूत हुई है। विनिर्माता के ओवरऑल एनईवी खंड ने 2024 की पहली तिमाही की तुलना में 2024 की दूसरी तिमाही में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो इसके इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी आने की ओर इशारा करता है। कंपनी हरित भविष्यल का समर्थन करने के लिए उन्नोत टेक्नोतलॉजी और एनईवी बुनियादी ढांचे में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। उनका ध्याहन ग्राहकों को अत्यांधुनिक एनईवी उपलब्धज कराने पर केंद्रित है, जो दक्षता, प्रदर्शन और स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं। सतिंदर बाजवा, चीफकमर्शियल ऑफिसर, जेएसडब्यूो द एमजी मोटर इंडिया, ने कहा, हमारे इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो के विस्तानर पर हमारा ध्यानि सकारात्मिक परिणाम दे रहा है, इसका प्रमाण एमजी ईवी की मजबूत बिक्री प्रदर्शन से मिलता है। उन्होंने आगे कहा, हमारी कुल बिक्री में एनईवी का महत्वरपूर्ण योगदान टिकाऊ गतिशीलता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। हम भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की दिशा में बदलाव का समर्थन करने और अपने ग्राहकों को नवीन और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन समाधान उपलब्ध् कराने के लिए समर्पित हैं।

मर्सिडीज़-बेंज ने अपना लोकप्रिय 'विशबॉक्स' फाईनेंशल कैम्पेन शुरू किया

पुणे: भारत के सबसे डिज़ायरेबल लग्ज़री कार निर्माता, मर्सिडीज़-बेंज ने आज मर्सिडीज़-बेंज खरीदने के इच्छुक ग्राहकों के लिए अपना लोकप्रिय 'विशबॉक्स' कैम्पेन शुरू किया। इसके अंतर्गत मर्सिडीज़-बेंज ने 'विशबॉक्स' द्वारा ग्राहकों को एक नया और आसान फाईनेंशल समाधान प्रदान किया है, जिसमें 'स्टेप-अप ईएमआई', 'ज्यादा वार्षिक पेआउट के साथ कम ईएमआई' और 'ईएमआई होलिडे' जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके द्वारा ग्राहकों को अपनी फाईनेंशल जरूरतों के अनुरूप कस्टमाईज्ड फाईनेंशल समाधान मिलते हैं। विशबॉक्स का उद्देश्य इनोवेटिव मोबिलिटी समाधानों के साथ मर्सिडीज़-बेंज खरीदना आसान बनाना और इसे खरीदने का सपना पूरा करना है। इस अभियान के साथ प्रबुद्ध ग्राहकों की आकांक्षाओं के अनुरूप इनोवेटिव और व्यक्तिगत ओनरशिप का अनुभव प्रदान करने की मर्सिडीज़-बेंज की प्रतिबद्धता आगे बढ़ रही है।

'मेरा बलम थानेदार' में बरखा बिष्ट ने रहस्यमयी महिला के रूप में एंट्री लेकर हंगामा बरपा दिया है

मुंबई। कलर्स का मनोरंजक पारिवारिक ड्रामा 'मेरा बलम थानेदार' एक अजीब बदलाव के साथ कहानी में मिठास घोलने वाला है। अपनी दिलचस्प कहानी के लिए प्यार बटोरने के बाद, आईपीएस अधिकारी वीर (शगुन पांडे) और उत्साही बुलबुल (श्रुति चौधरी) के वैवाहिक सफर को दर्शाने वाला, यह शो मीठी माई के रूप में अभिनेता बरखा बिष्ट का स्वागत करेगा। मीठा मीठा बोलो के तकियाकलाम के साथ, शो की यह नई सदस्य भगवान कृष्ण को समर्पित एक सुंदर गॉडवुमन है, जिसके एक हाथ में बांसुरी और दूसरे हाथ में टॉफी से भरी थैली है। एक साल की गहन तपस्या करने के बाद, मीठी माई अपने अजमेर आश्रम में लौट आती है, जिनके पीछे

उनकी चमत्कारी प्रार्थनाओं की कसम खाने वाले भक्तों का जत्था है। ऐसा लगता है कि भगवान कृष्ण के मन में इस संत के लिए विशेष स्थान है, जिन्होंने उसे ऐसी अद्भुत शक्तियों का आशीर्वाद दिया है जो हर किसी को उनके सामने नतमस्तक और हैरान कर देता है। क्या उनके रहस्यमय तरीके वीर और बुलबुल के पहले से ही अस्त-व्यस्त ज़िंदगी में और भी उथलपुथल मचाएंगे? इसके अलावा, क्या वह वाकई चमत्कार करती हैं या फिर यह बस ढोंग है? यह तो आने वाला समय बताएगा। मीठी माई की भूमिका निभा रहीं बरखा बिष्ट कहती हैं, मैं इतने सालों के बाद टेलीविज़न पर वापसी करने को लेकर रोमांचित हूं, और ऐसा करने के लिए कलर्स पर 'मेरा बलम थानेदार' से बेहतर क्या हो सकता है। मीठी माई की भूमिका ताज़ी हवा के झोंके की तरह है - यह किरदार अपनी खासियत के कारण अलग दिखता है। भगवान कृष्ण को समर्पित एक सुंदर और बुद्धिमान गॉडवुमन के रूप में, वह शो में आकर्षक डायनेमिक लाती है। उसकी आध्यात्मिक शक्ति के कारण उसका बहुत सम्मान किया जाता है।

विश्व जनसम्पर्क दिवस पर एनएमडीसी ने आयोजित किया इन्टरऐक्टिव सत्र

अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी, एनएमडीसी ने 'क्या सम्वाद करना है, किससे सम्वाद करना है और कैसे सम्वाद करना है' के महत्व पर बल दिया

हैदराबाद। विश्व जनसम्पर्क दिवस के अवसर पर एनएमडीसी ने अपने मुख्यालय में अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) और॰ बी. विश्वनाथ, सीव्हीओ की उपस्थिति में एक इन्टरऐक्टिव सत्र आयोजित किया । समीर कपूर, अतिथि प्रोफेसर, आईआईएमसी, नई दिल्ली और सुधाकर रेड्डी, संपादक (इंवेस्टिगेशन), टाइम्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली ने इस डिजिटल उन्नत युग में जनसम्पर्क और सम्वाद के महत्व पर सत्र लिया ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ श्रीमती जी. प्रियदर्शिनी, सीजीएम (पी एंड ए) के 'स्वागत संदेश' से हुआ, जिसके उपरांत पी. जयप्रकाश, जीएम (सीसी) ने दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम के दौरान जनसम्पर्क क्षेत्र से प्रमुख वक्ताओं समीर कपूर और सुधाकर रेड्डी ने 'बदलती दुनिया में जनसम्पर्क का भविष्य' विषय पर एनएमडीसी के कर्मचारियों के साथ अपना अनुभव और विशेषज्ञता सांझा किया।

इन्टरऐक्टिव सत्र की शुरुआत श्री समीर कपूर के साथ हुई, जिन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे दुनिया और जनसम्पर्क उद्योग में कोविड के बाद बदलाव आया है, इस क्षेत्र में वर्तमान रूझान और डिजिटल मीडिया में उपयोग किए जाने वाले नए उपकरण और तकनीक क्या हैं । समीर कपूर ने कहा, जनसम्पर्क और कहानी सुनाना महत्वपूर्ण है, सभी को जनसम्पर्क की आवश्यकता है । कहानी कहने के परिप्रेक्ष्य से सीखने को मिलता है, जनसम्पर्क का अर्थ जनता के साथ अच्छे संबंध बनाना है । सीधे शब्दों में कहें तो जनसम्पर्क यह सुनिश्चित करता है कि आपकी छवि और प्रतिष्ठा बनी रहे।

सुधाकर रेड्डी ने कहा, हम एक बड़ी डिजिटल और सामाजिक क्रांति का अनुभव कर रहे हैं । बड़े पैमाने पर समाज पर जो प्रभाव पड़ता है, पत्रकारिता जनसम्पर्क पर वह प्रभाव डालती है । हम एल्गोरिदम के युग में रह रहे हैं, जो कि किसी ब्रांड की छवि को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाता है । हैशटैग किसी भी चीज को बनाते और बिगाड़ते हैं और यहाँ तक कि लोकतंत्र पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं । वहीं, बी. विश्वनाथ, सीव्हीओ (मुख्य सतर्कता अधिकारी), एनएमडीसी ने कहा कि, सम्पूर्ण व्यावसायिक प्रक्रिया में जनसम्पर्क गतिविधियों का गहन प्रभाव पड़ता है । और एनएमडीसी की ब्रांडिंग में हमारे सीएमडी के व्यापक दृष्टिकोण ने वास्तव में काम किया है और पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया है । हैदराबाद एयरपोर्ट और लकड़ी-का-पुल मेट्रो स्टेशन पर अपनी होर्डिंग्स को देखकर हमें गर्व का अनुभव होता है ।

अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) ने सभी को संबोधित करते हुए कहा, जनसम्पर्क और सम्वाद के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण है 'क्या सम्वाद करना है, किससे सम्वाद करना है और कैसे सम्वाद करना है' यह सभी बहुत महत्वपूर्ण पहलू हैं । और हमें रणनीति बनाने की जरूरत है कि लोगों को क्या बताया जाना चाहिए । प्रिन्ट मीडिया, सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से हर जगह सूचनाओं का विस्फोट हो रहा है, हम उस छवि को बनाए रखने के लिए ध्यान आकर्षित करने और चीजों को संप्रेषित करने का प्रयास करते हैं ।

1 से 3 अगस्त तक अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में विशाल आपरेशन शिविर

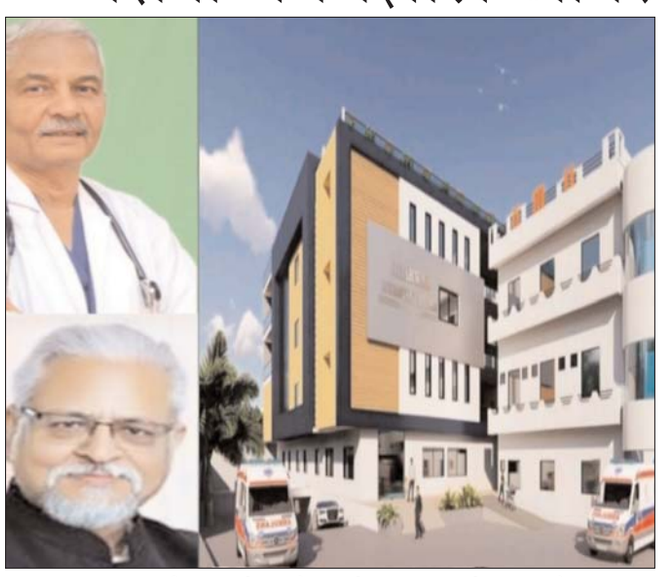

बसना(समय दर्शन)। क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाने अग्रवार नर्सिंग होम बसना मे आगामी 1 से 3 अगस्त 2024 तक विशाल आपरेशन शिविर का आयोजन किया गया जा रहा है।

इस विशाल ऑपरेशन शिविर मे विभिन्न प्रकार के हर्निया, गॉलब्लैडर पथरी,लीवर, अपेंडिक्स,महिला रोग संबंधित जैसे गर्भाशय,अंडाशय में गठन,सिस्ट,फाइब्रॉयड, स्तन की गठान ,पोलिप, किडनी स्टोन, हाइड्रोसील, परफोरेशन,पाइल्स, फिश्चर ,दूरबीन द्वारा पेट की जांच, कैंसर संबंधित ऑपरेशन का दूरबीन, लेजर या ओपन पद्धति से भारत के प्रसिद्ध सर्जन की टीम द्वारा किया जायेगा ।

अग्रवाल नर्सिंग होम बसना के संचालक डॉक्टर एन के अग्रवाल ने बताया कि, 1 से 3 अगस्त तक हमने विशाल आपरेशन शिविर रखा है, जिसमें भारत के प्रख्यात डॉक्टरों की टीम डॉ. संदीप दवे - दूरबीन पद्धति के प्रख्यात शल्य चिकित्सक (रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर),डॉ. सिद्धार्थ तामस्कर - जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन (रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर), (अग्रवाल नर्सिंग होम बसना) से डॉक्टर भारती अग्रवाल स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कार्तिक राजा लेप्रोस्कोपिक सर्जन शिविर का संचालन करेंगे । राशन कार्ड,आयुष्मान कार्ड एवम बीजू कार्ड के अंतर्गत उपलब्ध आपरेशन नि:शुल्क किया जायेगा एवं जो ऑपरेशन इस निशुल्क योजना के अंतर्गत नही वे ऑपरेशन न्यूनतम दर में किया जाएगा।

साथ ही साथ रहना, खाना, दवाइयां सभी पॅकेज में सम्मलित है । ऑपरेशन के इच्छुक मरीज दिनांक 28/07/24को अपनी रिपोर्ट के साथ अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में डॉक्टर अमित अग्रवाल से मिल कर पंजीयन कराये। संचालक डॉक्टर एनके अग्रवाल ने बताया इस शिविर में आर्थिक रूप से असहाय ऐसे प्रथम तीन मरीजों का नर्सिंग होम द्वारा जांच एवम परीक्षण पश्चात निशुल्क इलाज एवम ऑपरेशन भी किया जाएगा। जिसके लिए अग्रिम पंजीयन अनिवार्य है।

ज्ञात रहे डॉक्टर संदीप दबे एवं टीम जिन्हे भारत के लेप्रोस्कोपिक एवं रोबोटिक सर्जरी में विशेष ख्याति प्राप्त है, जो की 50000 से लेप्रोस्कोपिक एवम 250 से अधिक रोबोटिक सर्जरी कर अपना कीर्तिमान रचा है। आप सभी से निवेदन है इस मेसेज को अधिक से अधिक लोगो तक शेयर करे ताकि जरूरतमंद शिविर का लाभ प्राप्त कर सके।

प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा और सांसद राधेश्याम राठिया मतदाता अभिनंदन समारोह में शामिल हुए

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। राजस्व, खेल एवं युवा कल्याण तथा जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा और रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया बुधवार को जिले के प्रवास पर थे। एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल द्वारा आयोजित मतदाता अभिनंदन समारोह में प्रभारी मंत्री वर्मा और सांसद राठिया शामिल हुए। इस अवसर पर कई मतदाताओं को उन्होंने सम्मानित किया। आगमन और कार्यक्रम की शुरूआत में प्रभारी मंत्री का स्वागत, अभिनंदन किया गया। प्रभारी मंत्री ने मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन आप सभी मतदाताओं के स्वागत अभिनंदन का दिन है। मैं सभी मतदाताओं का हृदय से स्वागत अभिनंदन करता हूं। पीएम मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 विजन में विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ करना है। भारत पुन: विश्व गुरू बनेगा और सोने की चिड़िया कहलाएगा। भारत में कच्चे माल के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नवीन लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से किसानों को लाभ, धान खरीदी पर किसानों को बोनस, कृषि यंत्रों में सब्सिडी और ड्रोन से खाद का छिड़काव किया जा सकता है। पीएम सूर्य घर योजना से घर-घर बिजली का सोलर लगाइए। अधिक मात्रा में बिजली उत्पन्न होने पर बिजली बेच भी सकते हैं। मंत्री ने अंत में छत्तीसगढ़ी गीत गाया। उल्लेखनीय है कि पीएम सूर्य घर योजना योजना के तहत देश के एक करोड़ घरों के छत में सौर संयंत्र स्थापित करना है। लोगों को 300 यूनिट बिजली नि:शुल्क प्रदान किया जाना है। रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया ने कहा कि सारंगढ़ विधानसभा के सभी मतदाताओं को हृदय से अभिनंदन। आप लोगों के बदौलत मुझे यह जिम्मेदारी मिली है, जिसका निर्वहन मैं पूरी निष्ठा से करूंगा। कार्यक्रम में पूर्व विधायक जवाहर नायक, केराबाई मनहर, कामदा जोल्हे, गणमान्य नागरिकों में सुभाष जालान, ज्योति पटेल, शिवकुमारी चौहान, विलास सारथी, अजय गोपाल, अरविंद हरिप्रिय, मनोज जायसवाल, अजेश अग्रवाल, रामकुमार थूरिया, मयूरेश केशरवानी, नंदिनी वर्मा, अनुपमा केशरवानी सहित बड़ी संख्या में महिला पुरूष मतदाता उपस्थित थे।

प्रथम नियुक्ति तिथि से पूर्व सेवा की गणना कर पुरानी पेंशन देने व क्रमोन्नति वेतनमान प्रदान करने की मांग

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन जिला इकाई का मुख्यमंत्री को ज्ञापन

बालोद। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन जिला इकाई के जिलाध्यक्ष दिलीप साहू एवं जिला सचिव नरेंद्र साहू ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी कर बताया कि शिक्षक एल बी संवर्ग की समस्याओं को लेकर थानसिंह दीवान सभापति जनपद पंचायत बागबाहरा, कोषाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी महासमुंद के साथ छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से शिक्षक एल बी संवर्ग को उनके प्रथम नियुक्ति तिथि से पूर्व सेवा की गणना कर पुरानी पेंशन देने व क्रमोन्नति वेतनमान प्रदान करने का ज्ञापन देकर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी से उनके निवास में मिलकर चर्चा करते हुए प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने उन्हें अवगत कराया कि हमारे पूर्व के नियुक्त शिक्षक साथी बिना पेंशन के सेवा निवृत्त हो रहे है, संविलियन के समय से कुल सेवा हेतु 10 वर्ष पूर्ण नही होने के कारण वे पुरानी पेंशन के लिए पात्र नही हो रहे है, यह स्थिति 2028 तक सेवा निवृत्त होने वाले सभी शिक्षक एल बी संवर्ग के लिए होगा, यह अत्यंत दुखद है कि रिटायर होने वाले शिक्षक एल बी संवर्ग को न तो पुरानी पेंशन का लाभ मिल रहा है और न ही नए पेंशन का फायदा है, वे खाली हाथ घर बैठने मजबूर है।

शिक्षक एल बी संवर्ग के सम्बंध में माननीय मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन देकर मांग किया गया जिसमें पूर्व सेवा (शिक्षा कर्मी पद पर प्रथम नियुक्ति) के आधार पर पुरानी पेंशन हेतु कुल सेवा अवधि की गणना किया जावे। पेंशन निर्धारण हेतु अर्हकारी सेवा केंद्र सरकार, उत्तरप्रदेश व उत्तराखंड सरकार की तरह 33 वर्ष के स्थान पर पूर्व सेवा अवधि से 20 वर्ष किया जावे।मध्यप्रदेश की तरह पूर्व सेवा अवधि (प्रथम नियुक्ति तिथि) के आधार पर क्रमोन्नत वेतनमान प्रदान किया जावे।प्राचार्य, व्याख्याता, प्रधान पाठक मिडिल, प्रायमरी, शिक्षक के रिक्त सभी पदों पर पदोन्नति शीघ्र किए जाने का पक्ष रखा गया।सीजीपीएफमें 12 प्रतिशत से अधिक राशि की स्वैछिक कटौती किये जाने का पक्ष रखा गया।

सहायक शिक्षकों के वेतन विसंगति को दूर करने हेतु चर्चा किया गया। देय तिथि से लंबित महंगाई भत्ता, कैशलेश ईलाज, युक्तियुक्तकरण, स्थानांतरण, ऑनलाइन अवकाश, एक पाली के शाला का समय 10.30 से 4.30 तक करने, पदोन्नत शिक्षकों को वेतन देने के विषय पर चर्चा किया गया।मुख्यमंत्री जी ने प्रतिनिधियों की पुरानी पेंशन सहित सभी विषय की चर्चा को गंभीरता से लेते हुए कहा कि सभी मांगो को दिखवाकर निर्णय लेंगे ,मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमण्डल में प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, सुधीर प्रधान, देवनाथ साहू, बसंत चतुर्वेदी, मनोज सनाढ्य, शैलेंद्र पारीक, योगेश सिंह ठाकुर, जितेंद्र मिश्रा, नारायण चौधरी, संतोष सिंह, भूषण लाल चंद्राकर, गोपाल जायसवाल, नंदकुमार साहू, प्रदीप वर्मा, सालिकराम साहू, देवेंद्र चंद्राकर, नवधा चंद्रा, रवि कुम्भकार, परमेश्वर चंद्रा, गेवाराम नेताम, कैलाश साहू, राहुल नेताम, बलराम तारम, आशीष नायक शामिल थे।

सार समाचार

निगम ने लगाया भारती डेयरी पर पांच हजार रूपये का जुर्माना

रायपुर(समय दर्शन)। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार सभी जोनों द्वारा रजवासी क्षेत्र में संचालित डेयरियों पर कार्यवाही अभियान चलाकर की जा रही है, ताकि लोगों को गंदगी और प्रदूषण की जनसमस्याओं से शीघ्र राहत मिल सके.इस क्रम में नगर निगम जोन क्रमांक 9 के स्वास्थ्य विभाग द्वारा निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही और जोन 9 जोन कमिश्नर श्री संतोष पाण्डेय के नेतृत्व और जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री आत्मानंद साहू, स्वच्छता निरीक्षक श्री महेंद्र कलिहारी, श्री भोला तिवारी की उपस्थिति में नगर निगम जोन नम्बर 9 के अंतर्गत शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल वार्ड नम्बर 51के तहत फुंडहर रहवासी क्षेत्र में संचालित भारती डेयरी के संचालक पर गंदगी और प्रदूषण फैलाने की जनशिकायत सही पाए जाने पर निगम स्वास्थ्य अधिकारी और जोन 9 जोन कमिश्नर के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने 5000 रूपये का जुर्माना किया. डेयरी संचालक के मवेशियों को जप्त करने कार्यवाही प्रारम्भ की गयी तो डेयरी संचालक ने स्वत: डेयरी निगम सीमा क्षेत्र के बाहर शिफ्ट करने एक माह का समय माँगा, जो नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी और जोन 9 जोन कमिश्नर के निर्देश पर उन्हें दिया गया है।

कवर्धा के सोनवाही गांव में हालात सामान्य, जांच में नहीं मिला डायरिया को कोई प्रकरण

रायपुर(समय दर्शन)। ग्राम सोनवाही में बैगा आदिवासियों की मृत्यु के संबंध में जांच के लिए कवर्धा कलेक्टर ने तीन सदस्यीय टीम बनायी थी। इस टीम के द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में बैगा आदिवासियों की मौत डायरिया से नहीं बल्कि अन्य कारणों से होना पाया गया। जांच टीम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शामिल थे। जांच टीम ने संयुक्त रूप से ग्राम का भ्रमण कर तथा ग्रामवासियों और मृतकों के परिजनों से चर्चा कर जो तथ्य पाए हैं उसके अनुसार महिला बैगा आदिवासी फुलबाई के पति ने ये जानकारी दी है उन्होंने जंगली मशरूम खाया था जिसके बाद उसकी पत्नी और बेटे दोनों की तबीयत खराब हो गयी थी और फिर पत्नी की मौत हो गयी। एक अन्य मामले में मृतक सुरेश धुर्वे को पेट दर्द की शिकायत थी, मितानिन द्वारा उसके घर जाकर सरकारी अस्पताल ले जाकर ईलाज कराने के सलाह देने के बावजूद चिकित्सा लाभ न लेकर स्वयं घरेलू उपचार करने के कारण उसकी मौत हो गयी।

माउंट एवरेस्ट के 26200 फिट पर फहरा चुकी है तिरंगा

मुख्यमंत्री साय से पर्वतारोही सुश्री निशु सिंह ने की सौजन्य मुलाकात

मुख्यमंत्री श्री साय ने दी बधाई और शुभकामनाएं

सुश्री निशु माउंट एवरेस्ट सहित अब तक 22 पर्वत चोटियां कर चुकी है फत्ताह

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से बिलासपुर जिले की पर्वतारोही सुश्री निशु सिंह ने सौजन्य मुलाकात की। देश- विदेश की कई प्रमुख पर्वत चोटियां फत्ताह कर चुकी सुश्री निशु ने 21 मई 2024 को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के 26,200 फिट पर तिरंगा फहराया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी और कहा की आपकी इस शानदार उपलब्धि ने छत्तीसगढ़ को भी गौरवान्वित किया है। इससे उभरते पर्वतारोहियों को भी एक प्रेरणा मिलेगी। श्री निशु ने बताया कि माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई के दौरान उन्हें कई गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। बार बार खराब होते मौसम, बर्फबारी, कम होते ऑक्सीजन लेवल और ठंडी हवाओं ने उनकी कठिन परीक्षा ली, लेकिन उनके बुलंद हौसलों को डगमगा नहीं पाई। आखिरकार उन्होंने अपने सपने को सच कर दिखाया और दृढ़ साहस और इच्छाशक्ति के बदौलत माउंट एवरेस्ट के 26,200 फिट पर तिरंगा फहरा दिया। पर्वतारोही सुश्री निशु सिंह को पर्वत चोटियां फत्ताह करने का एक जुनून सा है। उन्होंने माउंट एवरेस्ट सहित तंजानिया के 19,500 फिट ऊंची माउंट किलिमंजारो शिखर, हिमाचल प्रदेश की 18,480 फिट ऊंची स्पीति वैली और मनाली की 20,000 फिट ऊंची माउंट यूनाम चोटी , लद्दाख के 20,800 फिट ऊंची कांग यास्ते 1 और 20500 फीट ऊंची चोटी कांग यास्ते 2 सहित अब तक देश-विदेश के 22 पर्वत चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर चुकी है। मुख्यमंत्री ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं भी दी।

छत्तीसगढ़ में अब गौ तस्करी संभव नहीं - विजय शर्मा

गौवंश व दुधारु पशुओं तस्करी, वध व मांस की बिक्री पर होगी कार्रवाई

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर गृह विभाग द्वारा गौवंश व दुधारु पशुओं के अनाधिकृत परिवहन (तस्करी), वध व मांस की बिक्री आदि घटनाओं की रोकथाम तथा संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के संबंध में आदेश जारी किया गया है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि साय सरकार गौवंश के अवैध परिवहन पर सख्ती से निपट रही है। हमने सजा और जुर्माने का प्रावधान करके यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी इस कानून का उल्लंघन न कर सके। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ में अब गौ तस्करी संभव नहीं और इसके लिए हमने प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी तय की है। उन्होंने कहा कि अवैध परिवहन पर सात साल की सजा और 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। यह सिद्ध करना कि तस्करी नहीं हो रही है, अभियुक्त पर होगा। अपराध को संज्ञेय और गैर-जमानती बनाया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सक्षम अधिकारी के अनुमति के बिना गौवंश का परिवहन नहीं किया जा सकेगा। परिवहन के दौरान वाहन में फ्लेक्स आदि लगाना होगा। तस्करी करने पर वाहन राजसात किया जाएगा और वाहन मालिक पर भी कार्यवाही होगी। इससे अर्जित संपत्ति को चिन्हित कर कुर्क किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि राजपत्रित अधिकारी को उक्त घटनाओं की रोकथाम और पर्यवेक्षण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। पुलिस के अधिकारी शिथिल या संलिप्त होने पर उन पर कठोर कार्यवाही होगी। आसूचना एकत्रित करना, जिले के सभी प्रकारों का अध्ययन करना और सभी आरोपियों की पुन: समीक्षा व सतत निगरानी आवश्यक होगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यदि नियम विरुद्ध परिवहन होना पाया जाता है तो जहां से परिवहन शुरू हुआ और जहां वाहन जब्त किया गया है।

मुख्यमंत्री साय की संवेदनशीलता से तीन लोगों को मिली अनुकंपा नियुक्ति

शारदा, प्रमिला, एवं अन्नपूर्णा बनेंगी अपने परिवार का सहारा

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील सरकार लोगों के हित में त्वरित कार्य कर रही है। समय सीमा के अंदर जरूरतमंद परिवार को अनुकंपा नियुक्ति मिल सकें, शासन इस पर लगातार प्रयास कर रही है। गरियाबंद जिले की श्रीमती शारदा पटेल, श्रीमती प्रमिला कुर्रे एवं सुश्री अन्नपूर्णा ध्रुव को अनुकम्पा नियुक्ति मिल गई है। कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल ने तीनों को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किया। शासन की त्वरित कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है। ग्राम देवरी जिला जांजगीर चांपा की रहने वाली श्रीमती शारदा पटेल ने बताया कि उनके पति व्याख्याता के रूप में हायर सेकेण्डरी स्कूल अकलवारा में पदस्थ थे। उनके निधन के बाद भृत्य पद के रूप में अनुकंपा नियुक्ति शासकीय हाईस्कूल लोहझर में मिली है। उन्होंने बताया कि अनुकंपा नियुक्ति मिलने से परिवार के पालन पोषण एवं देखरेख में सहायता मिलेगी। साथ ही भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसी प्रकार मचेवा जिला महासमुंद की रहने वाली श्रीमती प्रमिला कुर्रे के पति शिक्षक (एलबी) के रूप में शासकीय मीडिल स्कूल गुड़ेमा में पदस्थ थे। उनके निधन के पश्चात उन्हें भृत्य के रूप में शासकीय हाईस्कूल सेमरा में अनुकंपा नियुक्ति मिली। उन्होंने बताया कि पति के जाने के बाद भविष्य चिंतित था। छत्तीसगढ़ शासन की पहल से अनुकंपा नियुक्ति मिलने से बच्चों के पढ़ाई -लिखाई एवं भविष्य सृजन में मदद होगी।

अडानी के बिजली कंपनी को फायदा पहुंचाने सरकार ने बिजली दर में वृद्धि किया-धनंजय सिंह ठाकुर

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की सरकार ने सरकारी बिजली कंपनियों के बिजली दरों में वृद्धि करके अडानी के बिजली कंपनी को फायदा पहुंचाने का षड्यंत्र रचा है। बिजली दर में वृद्धि और बिजली कटौती एक षड्यंत्र है ताकि उद्योगपति हताश और परेशान होकर निजी बिजली कंपनियों की ओर रुख करने मजबूर हो जाए और इसका सीधा लाभ अडानी के बिजली कंपनी को मिलेगा।अडानी रायगढ़ और रायपुर के अपने थर्मल पावर की सरकार कर रही है। उद्योगपतियों को मिलने वाले सरकारी बिजली का दर 7.60 रुपए से ज्यादा है जबकि अडानी की बिजली कम्पनी 6 रु से कम दर पर प्रति यूनिट बिजली सप्लाई करेंगी। यह सीधा-सीधा षड्यंत्र सरकारी बिजली कंपनी को खत्म करने और निजीकरण को बढ़ावा देने के लिए किया जा है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद बिजली कटौती आम बात हो गई है और बिजली दर में वृद्धि करके पूरे प्रदेश के जनता और उद्योगपतियों को परेशान किया जा रहा है। बिजली दर में वृद्धि से उद्योगपतियों के सामने दोहरी चुनौती है एक पहले ही उद्योग महंगाई और मंदी से जूझ रहा था। अब बिजली दर में वृद्धि होने से लागत मूल्य में वृद्धि हो गया है जिसका सीधा-सीधा असर लोहा सीमेंट अन्य उत्पादों के दाम में वृद्धि होगा। जिसके चलते मंदी और महंगाई बढ़ेगी और उद्योगों में तालाबंदी की स्थिति निर्मित हो जाएगी।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से बेटियों के विवाह की चिंता हुई दूर

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब परिवारों को होने वाली आर्थिक परेशानियों को दूर करना, शादी के मौके पर फिजुलखर्ची को रोकना, सामूहिक विवाह के आयोजन से सामाजिक स्थिति में सुधार लाना है। गतदिवस को रायगढ़ जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 45 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। शासन की ओर से प्रत्येक जोड़े को कन्या के नाम से 35 हजार रूपये की राशि उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। उपहार के रूप में बैग, श्रृंगार सामाग्री, कपड़े इत्यादि वर-वधु को दिया गया तथा जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र दिया गया। इनमें से गोपालपुर, बोईरदादर की निवासी श्रीमती देवंती सिदार ने और भगवानपुर निवासी श्रीमती भारती ने बताया कि उनकी शादी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 16 जुलाई 2024 को हुई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से उनका पंजीयन किया गया और इस योजना का लाभ मिला। उन्होंने बताया कि वे अभी अपने अपने पति के साथ बेहद खुश है। गरीबी के कारण परिवार वालों के लिए शादी कराना बहुत बड़ी चुनौती थी पर इस योजना के चलते यह चुनौती आसानी से हल हो गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और महिला-बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े को धन्यवाद देते हुए हितग्राहियों कहा कि इस योजना ने हमारे माता-पिता के आर्थिक बोझ को कम कर धूमधाम से विवाह करने समर्थ बना दिया। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। महतारी वंदन योजना, महतारी जतन योजना, इनमें से और एक योजना है, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना।

तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की.

पर्यावरण संरक्षण के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करें : वनमंत्री

रायपुर(समय दर्शन)। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने सुकमा जिला मुख्यालय स्थित आकार आवासीय संस्था में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने आमजनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस मानसून के दौरान ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करें और अपने घर, आसपास के परिवेश, गांव-खेत-खलिहानों और शहरों को खूब हरा-भरा करने लोगों को प्रेरित भी करें। वन मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा इस महत्वपूर्ण अभियान के माध्यम से करीब चार करोड़ पौधारोपण करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में बढ़-चढ़कर जुड़ने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया। बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री महेश कश्यप और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में शामिल होकर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया। इस अवसर पर श्री धनीराम बारसे, श्री हूंगाराम मरकाम एवं अन्य जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने भी पौधारोपण किया।

कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा ने कोसा, कॉटन व हाथकरघा वस्त्रों के भव्य प्रदर्शनी सह-विक्रय का किया शुभारंभ

22 जुलाई तक बलौदाबाजार में सजेगा बाजार, दी जा रही है विशेष छूट

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन ग्रामोद्योग विभाग हाथकरघा बलौदाबाजार-भाटापारा के सौजन्य से जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में भव्य प्रदर्शनी सह-विक्रय का आयोजन किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा ने किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष चितावर जायसवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंत्री श्री वर्मा ने आयोजन के लिए विभाग की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बीच-बीच में करते रहना चाहिए। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है। उन्होंने जिले के सभी लोगों से इस मेले का लाभ लेने और अधिक से अधिक उत्पादों का क्रय कर हाथकरघा को बढ़ावा देने की अपील की, ताकि लोग अधिक से अधिक सक्षम व आत्मनिर्भर हो सके और गाँधी जी के सपने को पूरा कर सके। उक्त मेले में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कोसा, कॉटन हथकरघा वस्त्रों का विशाल प्रदर्शनी होगा। यह प्रदर्शनी बलौदाबाजार शहर के मध्य स्थित पं.बाल्मीकि शुक्ल विप्र वाटिका गॉर्डन चौक में लगाई गई है। यह प्रदर्शनी आज से 22 जुलाई तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुला रहेगा। इस प्रदर्शनी के विशेष आर्कषक के रूप में महामहिम राष्ट्रपति जी के द्वारा सम्मानित छत्तीसगढ़ के कुशल बुनकरों द्वारा हाथों से निर्मित वस्त्रों का प्रर्दशन कर विक्रय किया जायेगा। इसके लिए 15 स्टॉलों को सजाया जा रहा है।

जाति प्रमाणपत्र बनाने सभी जोनों को पात्र आवेदकों के प्रकरण तत्काल बनाकर भेजने के महापौर एजाज ढेबर के निर्देश

अजा-अजजा कल्याण समिति की बैठक में दिए निर्देश

रायपुर(समय दर्शन)। आज नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर श्री एजाज ढेबर नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में नगर निगम अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग की सलाहकार समिति की बैठक में विशेष रूप से सम्मिलित होने पहुंचे. बैठक भारसाधक सदस्य श्री सुन्दरलाल जोगी की अध्यक्षता समिति सदस्य पार्षद श्री धनेश बंजारे राजा, एमआईसी सदस्य प्रतिनिधि श्री राधेश्याम विभार, उपायुक्त एवं समिति सचिव श्रीमती कृष्णा खटीक, राजस्व अधिकारी श्री विवेकानंद दुबे, सभी सहायक राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में हुई. बैठक में शासन के निर्देश अनुसार जाति प्रमाणपत्र जारी करने के सम्बन्ध में चर्चा एवं विचार -विमर्श किया गया. महापौर श्री एजाज ढेबर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी जोनों से राज्य शासन की नियमावली अनुसार नियमानुसार पात्र सभी आवेदकों के प्रकरणवार प्रस्ताव नियमानुसार प्रक्रिया के अंतर्गत तत्काल नगर निगम मुख्यालय में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के प्रभारी अधिकारी के पास भेजा जाना तत्काल सुनिश्चित करें, ताकि राज्य शासन के दिशा - निर्देश अनुसारनियमानुसार सभी पात्र आवेदकों को जाति प्रमाणपत्र बनाकर जारी करने की प्रशासनिक कार्यवाही की जा सके. राज्य शासन की नियमावली अनुसार जाति प्रमाणपत्र बनाकर सभी पात्र आवेदकों को देने के सम्बन्ध में वे कोई भी लापरवाही या हीला-हवाला कदापि सहन नहीं करेंगे. इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दिया जाना राज्य शासन द्वारा जारी दिशा - निर्देशों के पालन में सुनिश्चित किया जाये।

संपादकीय

महंगे एक्सप्रेस-वेज ही इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं

सिर्फ ऊंचे टॉल टैक्स वाले महंगे एक्सप्रेस-वेज (जो आम जन की पहुंच से बाहर हों) ही इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं हैं। असल कसौटी यह है कि एक्सप्रेज-वेज से उतरने के बाद शहर और गांवों में ऐसे निर्माणों के कारण जिंदगी कितनी सहूलियत भरी हुई है। लखनऊ में चारबाग स्टेशन के बाहर नौका चलते देखना कौतुक से भरा अनुभव है। वाराणसी में शहर के अंदर जगह-जगह तालाब जैसा नज़ारा बनना उससे कोई कम तजुर्बा नहीं है। ठीक ही कटाक्ष किया गया है कि वादा वाराणसी को क्योटो (जापान की स्मार्ट सिटी) बनाने का था, लेकिन उसे वेनिस (इटली का मशहूर नगर जहां शहर के अंदर मौजूद झीलों में नौकाएं चलती हैं) बना दिया गया। यह तो सिर्फ दो मिसालें हैं। जल जमाव के शिकार शहरों की सूची रोज लंबी होती जा रही है। सोमवार सुबह-सुबह खबर आई की महानगर मुंबई में रात में हुई बारिश से जगह-जगह पानी भर गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वैसा नज़ारा पैदा हुए अभी कुछ रोज ही गुजरे हैं। यानी महानगर से लेकर छोटे शहरों तक में इस मामले में समरूपता बनती जा रही है। एयरपोर्ट्स के अंदर पानी घुसना और ट्रेनों से लेकर रेलवे स्टेशनों तक पर ऊपर से रिसते पानी से झरने जैसा दृश्य बनना आम हो गया है। यह उस देश का हाल है, जहां तेजी से विकसित होते इन्फ्रास्ट्रक्चर की कहानियां इस तरह फैली हैं कि देशवासी अक्सर उस पर गर्व करते दिखते हैं। ये कहानियां दूर-दूर तक फैली हैं। कुछ समय पहले मशहूर ब्रिटिश पत्रिका द इकॉनमिस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में इसे माउथवाटरिंग इन्फ्राक्ट्रक्चर निर्माण कहा था। बहरहाल, आम भारतवासियों के मुंह में इस निर्माण को देख कर पानी भले ना आता हो, लेकिन उन्हें अपने चारों ओर भरे पानी को चीरते हुए जरूर गुजरना पड़ रहा है। तो अब जरूरी हो गया है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण के बारे में नई समझ बनाई जाए। सिर्फ ऊंचे टॉल टैक्स वाले एक्सप्रेस-वेज (जो आम जन की पहुंच से बाहर हों) ही इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं हैं। असल कसौटी यह है कि एक्सप्रेज-वेज से उतरने के बाद शहर और गांवों में ऐसे निर्माणों के कारण जिंदगी कितनी सहूलियत भरी हुई है। वैसे तो हर मौसम में इस कसौटी पर हमारी बस्तियां फेल होती हैं, लेकिन इस वर्ष की बरसात में टूटते पुलों, सड़कों में पड़ती दरार, एयरपोर्ट और रेलवे ढांचे में घुसते पानी, आदि ने कुछ ज्यादा पोल खोल दी है।

बुलेट नहीं, बैलट

रिपब्लिकन नेता डॉनल्ड ट्रंप पर अमेरिका में एक चुनावी रैली के दौरान हुआ हमला, चुनाव परिणामों को पलटने की उनकी पिछली कोशिशों के बाद, देश के पहले से ही विभाजित राजनीतिक माहौल को बढ़ा रहा है। यह घटना अमेरिका के गन कल्चर और बढ़ती राजनीतिक कड़वाहट पर भी सवाल उठाती है।

अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर शनिवार को एक चुनावी रैली के दौरान हुआ जानलेवा हमला हर लिहाज से दुर्भाग्यपूर्ण कहा जाएगा। गनीमत है कि हमले में ट्रंप को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ और वह सुरक्षित हैं। हालांकि उन पर हुए इस हमले ने पहले से ही दो ध्रुवों में बंटे अमेरिकी जनमत को बुरी तरह आलोड़ित कर दिया है।

हमलों का इतिहास : अमेरिका में राष्ट्रपतियों पर इस तरह का हमला कोई नई बात नहीं है। वहां ऐसे हमलों का लंबा इतिहास रहा है। चार राष्ट्रपति और एक राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी ऐसे हमलों में जान तक गंवा चुके हैं। पिछले चार-पांच दशकों की बात करें तो रोनाल्ड रीगन, बिल क्लिंटन और जॉर्ज डब्ल्यू बुश जैसे चर्चित राष्ट्रपति हमलों का निशाना बन चुके हैं।

दो धड़ों में बंटा जनमत : फिर भी ट्रंप पर हुए इस हमले की अतीत की घटनाओं से तुलना नहीं की जा सकती। ट्रंप न सिर्फ अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति हैं बल्कि आगामी चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से इस पद के प्रत्याशी भी हैं। अब तक के तमाम सर्वे उन्हें लोकप्रियता में सबसे आगे बता रहे हैं। यही नहीं, ट्रंप राजनीति और शासन की अपनी विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते रहे हैं। अमेरिकी इतिहास में यह पहला मौका है जब कोई पूर्व राष्ट्रपति चुनाव परिणामों को पलटने के लिए दंगे भड़काने जैसे आरोपों का सामना कर रहा है या चुनाव नतीजों को स्वीकार करने से लगातार इनकार करता रहा है। इसके बावजूद लोकप्रियता में सबसे आगे नजर आ रहा है।

कड़वाहट बढ़ने का खतरा : ऐसे में ट्रंप पर हमले की इस घटना की गंभीरता बहुत बढ़ जाती है। इसका अमेरिका के आम लोगों की सोच पर, वहां की राजनीति और चुनावों पर किस तरह का प्रभाव पड़ता है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। हालांकि ट्रंप समर्थकों का एक धड़ा इसके लिए उनके राजनीतिक विरोधियों की आक्रामक प्रचार शैली को अभी से जिम्मेदार ठहराने लगा है। देखना होगा कि यह सिलसिला चुनावों में वोटरों की सहानुभूति हासिल करने की कोशिशों तक सीमित रहता है या राजनीति में और ज्यादा कड़वाहट घोलता है।

व्यापक प्रभाव : सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चाहे अमेरिका के घरेलू राजनीतिक माहौल की बात हो या चुनाव परिणामों की, उनका असर अमेरिका तक सीमित नहीं रहता। पूरा विश्व उसके दायरे में आता है। ऐसे में जरूरी है कि जांच एजेंसियां इस घटना के असली कारणों तक जल्द से जल्द पहुंचें। हालांकि हमलावर के मारे जाने की वजह से यह काम थोड़ा और मुश्किल हो गया है। फिर भी उम्मीद है कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी और साजिशों के तार खुलेंगे, वैसे-वैसे बहस भी समाज को हिंसक बनाने वाले और गन कल्चर को बढ़ाने वाले कारकों पर केंद्रित होगी। याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र में बुलेट नहीं, बैलट ही सबसे कारगर हथियार होता है।

चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकॉनामी) की आवश्यकता क्यों?

प्रह्लाद सबनानी

हिंदू सनातन संस्कृति हमें सिखाती है कि आर्थिक विकास के लिए प्रकृति का दोहन करना चाहिए न कि शोषण। परंतु, आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में पूरे विश्व में आज प्रकृति का शोषण किया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग कर प्रकृति से अपनी आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत ही आसानी से की जा सकती है परंतु दुर्भाग्य से आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के उपयोग एवं इन वस्तुओं के संग्रहण के चलते प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने के लिए हम जैसे मजबूर हो गए हैं। ऐसा कहा जाता है कि जिस गति से विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया जा रहा है, उसी गति से यदि विकासशील एवं अविकसित देश भी प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने लगे तो इसके लिए केवल एक धरा से काम चलने वाला नहीं है बल्कि शीघ्र ही हमें इस प्रकार की चार धराओं की आवश्यकता होगी।

एक अनुमान के अनुसार जिस गति से कोयला, गैस एवं तेल आदि संसाधनों का इस्तेमाल पूरे विश्व में किया जा रहा है इसके चलते शीघ्र ही आने वाले कुछ वर्षों में इनके भंडार समाप्त होने की कगार तक पहुंच सकते हैं। बीपी स्टेटिस्टिकल रिव्यू ऑफ वर्ल्ड एनर्जी रिपोर्ट 2016 के अनुसार दुनिया में जिस तेजी से गैस के भंडार का इस्तेमाल हो रहा है, यदि यही गति जारी रही, तो प्राकृतिक गैस के भंडार आगे आने वाले 52 वर्षों में समाप्त हो जाएंगे। फॉसिल फ्यूल में कोयले के भंडार सबसे अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं। परंतु विकसित एवं अन्य देश इसका जिस तेज गति से उपयोग कर रहे हैं, यदि यही गति जारी रही तो कोयले के भंडार दुनिया में आगे आने वाले 114 वर्षों में समाप्त हो जाएंगे। एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यक्ति औसतन प्रतिमाह 15 लीटर से अधिक तेल की खपत कर रहा है। धरती के पास अब केवल 53 साल का ही ऑइल रिजर्व शेष है। भूमि की उर्वरा शक्ति भी बहुत तेजी से घटती जा रही है। पिछले 40 वर्षों में कृषि योग्य 33 प्रतिशत भूमि या तो बंजर हो चुकी है अथवा उसकी उर्वरा शक्ति बहुत कम हो गई है। जिसके चलते पिछले 20 वर्षों में दुनिया में कृषि उत्पादकता लगभग 20 प्रतिशत तक घट गई है।

कई अनुसंधान प्रतिवेदनों के माध्यम से अब यह सिद्ध किया जा चुका है कि वर्तमान में अनियमित हो रहे मानसून के पीछे जलवायु परिवर्तन का योगदान हो सकता है। कुछ ही घंटों में पूरे महीने की सीमा से भी अधिक बारिश का होना, शहरों में बाढ़ की स्थिति निर्मित होना, शहरों में भूकम्प के झटके एवं साथ में सुनामी का आना, आदि प्राकृतिक आपदाओं जैसी घटनाओं के बार-बार घटित होने के पीछे भी जलवायु परिवर्तन एक मुख्य कारण हो सकता है। एक अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, यदि वातावरण में 4 डिग्री सेल्सियस से तापमान बढ़ जाय तो भारत के तटीय किनारों के आसपास रह रहे लगभग 5.5 करोड़ लोगों के घर समुद्र में समा जाएंगे। साथ ही, चीन के शांघाई, शांटोयू, भारत के कोलकाता, मुंबई, वियतनाम के हनोई एवं बांग्लादेश के खुलना शहरों की इतनी जमीन समुद्र में समा जाएगी कि इन शहरों की आधी आबादी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। वेनिस एवं पीसा की मीनार सहित यूनेस्को विश्व विरासत के दर्जनों स्थलों पर समुद्र के बढ़ते स्तर का विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

दुनिया में जितना भी पानी है, उसमें से 97.5 प्रतिशत समुद्र में है, जो खारा है। 1.5 प्रतिशत बर्फ के रूप में उपलब्ध है। केवल 1 प्रतिशत पानी ही पीने योग्य उपलब्ध है। वर्ष 2025 तक भारत की आधी और दुनिया की 1.8 अरब आबादी के पास पीने योग्य पानी उपलब्ध नहीं होगा। विश्व स्तर के अनेक संगठनों ने कहा है कि अगला युद्ध अब पानी के लिए लड़ा जाएगा। अर्थात पीने के मीठे पानी का अकाल पड़ने की पूरी सम्भावना है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पानी के पानी के लिए केवल विभिन्न देशों के बीच ही युद्ध नहीं होंगे बल्कि हर गांव, हर गली-मोहल्ले में पानी के लिए युद्ध होंगे। पर हम इसके बारे में अभी तक जागरूक नहीं हुए हैं। आगे आने वाले समय में परिणाम बहुत गंभीर होने वाले हैं।

चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्क्यूलर इकॉनामी) का आशय उस अर्थव्यवस्था से है जिसमें उत्पादों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा के उपयोग को कम किया जाता है एवं पदार्थों के अवशेष (वेस्ट) को कम करते हुए इनके पुनरुपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। यह लक्ष्य विभिन्न पदार्थों के उपयोग को उच्चतम स्तर पर ले जाकर एवं इन पदार्थों की बर्बादी को रोककर हासिल किए जाने का प्रयास किया जाता है। इससे प्राकृतिक संसाधनों के अति-उपयोग पर अंकुश लगाया जा सकता है। चक्रीय अर्थव्यवस्था के अंतर्गत उत्पादों एवं विभिन्न पदार्थों के उपयोग को कम करना, इनका पुनः उपयोग करना तथा विनिर्माण इकाईयों द्वारा इस प्रकार की प्रक्रिया अपनाना, जिससे कच्चे माल, ऊर्जा एवं पानी का कम प्रयोग हो सके, आदि उपाय भी शामिल हैं। उत्पादों को यदि रिपेयर कर पुनः उपयोग किया जा सकता है तो यह आदत भी विकसित की जानी चाहिए, इससे उस उत्पाद के कुल जीवन साइकल को बढ़ाया जा सकता है एवं उसके स्थान पर नए उत्पाद की आवश्यकता को कम किया जा सकता है। क्षतिग्रस्त अथवा खराब हुए उत्पाद को पुनरुपयोग योग्य बनाए जाने के प्रयास भी किए जाने चाहिए। उचित वेस्ट मेनेजमेंट को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे कुल मिलाकर प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होगा। आजकल 7 आर ओफसर्क्यूलर इकॉनामी को भी इस संदर्भ में अपनाने पर विचार किया जा रहा है ह्न रिड्यूस (Reduce -उत्पादों का उपयोग कम करें) , रीयूज (Reuse -उत्पादों का पुनः उपयोग करें), रीसाइकल (Recycle -बर्बाद हुए उत्पादों को रीसाइकल करें), रीडिजाइन (Redesign -उत्पादों की इस प्रकार डिजाइन विकसित करें कि कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा का कम उपयोग हो), रीपेयर (Repair - उत्पाद की मरम्मत कर पुनः उपयोग करने लायक बनाएं), रिन्यू (Rene2 -खराब हुए उत्पाद को ठीक कर उसका पुनः उपयोग करना), रिकवर (Recover -खराब हुए उत्पाद के कुछ पार्ट्स का पुनः उपयोग करना), रीथिंक (Rethink -नए प्रॉसेस के नवीकरण बारे में विचार करना), रिपर्पस (Repurpose), रिमैन्यूफेक्चर (Remanufacture) आदि उपाय भी सर्क्यूलर इकॉनामी के अंतर्गत किए जाते हैं।

अतः कुल मिलाकर, अब समय आ गया है कि समस्त देश मिलकर इस बात पर गम्भीरता से विचार करें कि इस धरा को शोषित होने से कैसे बचाया जाय। इसके लिए आज इस धरा से लिए जाने वाले पदार्थों के उपयोग पर न केवल अंकुश लगाने की आवश्यकता है अपितु इन पदार्थों के पुनः उपयोग करने की विधियों को विकसित करने की भी महती आवश्यकता है। जैसे जीवाश्म ऊर्जा पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से भारत वैकल्पिक एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने पर काम कर रहा है। ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसमें सौर, पवन, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा के उपयोग का विस्तार करना भी शामिल है। भारत, परिवहन, औद्योगिक प्रक्रियाओं, प्राथमिकता भवनों सहित, विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता उपायों को प्राथमिकता दे रहा है। इसमें ऊर्जा कुशल तकनीकों को अपनाना, औद्योगिक प्रक्रियाओं का अनुकूलन करना और मजबूत ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करना शामिल है। साथ ही जीवाश्म तेल में ईथेनाल का सम्मिश्रण भी किया जा रहा है ताकि पेट्रोल एवं डीजल के उपयोग को कम किया जा सके। आज समय की मांग है कि विश्व के समस्त देश ऊर्जा सम्मिश्रण के क्षेत्र में साथ मिलकर काम करें। भारत ने सुझाव दिया है कि पेट्रोल में ईथेनाल सम्मिश्रण को वैश्विक स्तर पर 20 प्रतिशत तक ले जाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं, अथवा वैश्विक भलाई के लिए कोई और सम्मिश्रण पदार्थ की खोज की जाए, जिससे ऊर्जा की आपूर्ति निर्बाध रूप से बनी रहे और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे। भारत ने उत्सर्जन वृद्धि को कम करने के उद्देश्य से बहुत पहले (2 अक्टोबर 2015 को) ही अपने लिए कई लक्ष्य तय कर लिए थे। इनमें शामिल हैं, वर्ष 2030 तक वर्ष 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 30 से 35 प्रतिशत तक कम करना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 45 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है), गैर-जीवाश्म आधारित ऊर्जा के उत्पादन के स्तर को 40 प्रतिशत तक पहुंचाना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 50 प्रतिशत तक बढ़ा लिया है) और वातावरण में कार्बन उत्पादन को कम करना, इसके लिए अतिरिक्त वन और वृक्षों के आवरण का निर्माण करना, आदि। इन संदर्भों में अन्य कई देशों द्वारा अभी तक किए गए काम को देखने के बाद यह पाया गया है कि जी-20 देशों में केवल भारत ही एक ऐसा देश है जो पेरिस समझौते के अंतर्गत तय किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करता दिख रहा है। जी-20 वो देश हैं जो पूरे विश्व में वातावरण में 70 से 80 प्रतिशत तक उत्सर्जन फैलाते हैं। जबकि भारत आज इस क्षेत्र में काफी आगे निकल आया है एवं इस संदर्भ में पूरे विश्व का नेतृत्व करने की स्थिति में आ गया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 550 ह्न सौर ऊर्जा का उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर बंजर जमीन को दोबारा खेती लायक उपजाऊ बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। साथ ही, भारत ने इस दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर संधि करते हुए 88 देशों का एक समूह बनाया है ताकि इन देशों के बीच तकनीक का आदान प्रदान आसानी से किया जा सके।

गठिया रोग : कारण, उपचार और मनोवैज्ञानिक समर्थन

डॉ. पुरुषोत्तम मीणा 'निरंकुश'

गठिया जिसे अंग्रेजी में arthralgia (जोड़ों का दर्द), arthritis (गठिया/वात रोग/जोड़ों का प्रदाह), bone ache (हड्डी में दर्द/अस्थि वेदना), gout (गाउट/संधिवात), joint pain (जोड़ों का दर्द), muscular pain (मांसपेशियों में दर्द), rheumatism (आमवात/गठिया) आदि नामों से जाना जाता है। गठिया एक ऐसी तकलीफ है, जिससे पीड़ित व्यक्ति का चलना-फिरना तक मुश्किल हो जाता है। गठिया किसी भी आयु वर्ग के लोगों को हो सकता है। यह पहली बार 2 वर्ष की आयु से 80 वर्ष तक की आयु के दौरान कभी भी, किसी को भी हो सकता है। गठिया के अंतर्गत 300 से अधिक प्रकार की तकलीफें होती हैं। सबके होने के अलग-अलग कारण हो सकते हैं।

अकसर लोग कहते हैं कि गठिया एक जिद्दी रोग (obstinate disease) है जो आसानी से पीछा नहीं छोड़ता है। इसके बारे में जानना जरूरी है कि गठिया के कई प्रकार के कारण हो सकते हैं, जिनमें आनुवांशिक कारक, प्रतिरक्षा प्रणाली की समस्याएं, संक्रमण और चोटें शामिल हैं। इसके अलावा कड़वी हकीकत यह भी है कि पूर्व लिखित कारकों को छोड़कर (e&cept the aforementioned factors), जिन्हें गठिया रोग होता है, उनमें से अधिकतर लोग खुद ही गठिया की तकलीफ को पैदा करने के लिये जिम्मेदार होते हैं। ऐसे लोग गठिया रोग को खुद ही पालते-पोसते रहते हैं।

जानिये लोग गठिया को खुद ही कैसे पालते-पोसते रहते हैं?

1. लम्बे समय तक बीमार पाचन-तंत्र की अनदेखी करके। जो लोग दोनों वक्त खुलकर मलत्याग करने नहीं जाते हैं, या जो लोग दिन में से दो बार से अधिक मलत्याग करने जाते रहते हैं, उनको गठिया होने की सर्वाधिक संभावना होती है।

2. आलसी बनकर और शारीरिक श्रम या काम नहीं करके गतिहीन जीवन जीना।

3. सुबह खाली पेट चाय-कॉफी की चुस्कियों का आनंद लेकर।

4. लगातार-चिंता, तनाव, घृणा, धोखा, नफरत, ईर्ष्या, वहम, वियोग, घुटन, अनिश्चय, यौन असंतोष, पछतावा, रिश्तों में खटास आदि के कारण अंदर ही अंदर घुटते रहने से उत्पन्न रुग्ण मनोविकारों की आग में जलते रहकर।

5. डिब्बाबंद, बाजारू भोजन, चाट-मसाला, एनीमल फूड (जिसमें बिना श्रम या व्यायाम किये मांसाहार और जानवरों का दूध एवं दूध से बने सभी खाद्य तथा पेय का सेवन करना शामिल है), जंक फूड, डेयरी फूड, बेकरी फूड आदि का अस्वास्थ्यकर एवं असंतुलित आहार का सेवन करके।

6. गर्भ निरोधक गोलियों का बार-बार या अधिक सेवन करके।

7. उत्तेजना या मर्दाना ताकत बढ़ाने वाली एलोपैथिक गोलियों का सेवन करके।

8. दर्द निवारक, थॉयराइड, हाई बीपी, कोलेस्ट्रोल, प्रोस्टेट, डायबिटीज, एंटीबैक्टीरियल, स्टेरॉइड आदि की एलोपैथिक दवाइयों का लगातार या अधिक मात्रा में सेवन करके।

9. लाल दंत मंजन, जर्दा, गुटका, शराब, धूम्रपान या तम्बाकू का किसी भी रूप में सेवन करके।

10. अनचाहे जीवन साथी के साथ न चाहते हुए जीवन गुजारने की विवशता को सहकर।

11. बिना श्रम या व्यायाम किये तेल और घी युक्त फैटी भोजन तथा अधिक मात्रा में ड्राई फ्रूट्स का सेवन करके। इत्यादि।

विज्ञान क्या कहता है? : चिकित्सीय ज्ञान में तेजी से और लगातार क्रमिक उन्नति के बावजूद भी आधुनिक चिकित्सा विज्ञान द्वारा अधिकांश गठिया विकारों का पूरी तरह से इलाज यानी आरोग्य (ह्वद्बह्द्ध) किये जाने का दावा नहीं किया जा सकता है। माना जाता है कि उपचार तब ही संभव है, जबकि जल्दी से जल्दी गठिया की पहचान की जा सके। यह प्राकृतिक सच्चाई है कि विलम्ब उपचार को मुश्किल बनाता है। जो अधिकतर गठिया रोगियों पर लागू होता है। अधिकांश गठिया विकारों में सभी विशिष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। सबसे दुःखद तो यह है कि अभी तक गठिया होने के कारणों का सही से पता लगाकर, गठिया रोग के होने की पुष्टि करने वाला कोई सटीक और विश्वसनीय नैदानिक परीक्षण (स्नद्बह्द्धशह्वद्बह्द्धद्ध ह्नह्न्ह्वद्ध) उपलब्ध ही नहीं है। इसलिए शुरुआती समय में गठिया की पहचान करके, गठिया का सही निदान, उपचार करने वाले उपचारकों की योग्यता और अनुभव पर बहुत कुछ निर्भर करता है। शुरुआत में 99 फीसदी मामलों में दर्दनिवारक दवाइयों का सेवन गठिया रोग के अधिक गंभीर बनने की बड़ी वजह है।

सर्वश्रेष्ठ उपचार : 1-पहली महत्वपूर्ण बात: युवावस्था से ही प्राकृतिक जीवन जीने, प्राकृतिक खानपान करने और प्राकृतिक नींद लेने वालों के शरीर के जोड़ों के बीच रिक्त स्थानों में मौजूद द्रव्य या तरल पूरे दिन सामान्य रूप से परिचालित होता रहता है और रक्त के अल्ट्रा फिल्ट्रेशन से जोड़ों का ताजा द्रव्य भी बनता रहता है। एक व्यक्ति जितना अधिक सक्रिय रहता है, उतना अधिक उसके शरीर में द्रव्य या तरल का संचालन होता रहता है और शरीर का संचालन होते रहने से जोड़ों से हानिकारक अपशिष्ट (waste & to&ic) पदार्थ अपने आप निकल जाते हैं। इससे जोड़ों को नुकसान नहीं होता है।

2-दूसरी महत्वपूर्ण बात: उपचार का सबसे अच्छा, महत्वपूर्ण और सटीक तरीका है-युवावस्था से ही शारीरिक श्रेष्ठी यानी शारीरिक व्यायाम, चलते फिरते रहना, जिसे गतिशील व्यायाम भी कहते हैं। जिसमें नियमित रूप से घर के काम, नृत्य, तेज घूमना, दौड़ना, तैरना आदि शामिल हैं।

3-तीसरी महत्वपूर्ण बात: शरीर के संचालन का कोई बाजारू विकल्प नहीं है। शरीर का संचालन दौलत की ताकत से संभव नहीं। यह खुद ही करना होता है। जैसे एक स्त्री को मां बनने के लिये प्रसव पीड़ा से खुद ही गुजरना प्राकृतिक जरूरत है। उसी प्रकार से शरीर का संचालन स्वस्थ बने रहने की प्राकृतिक जरूरत है।

काउंसलिंग : गठिया लगातार दर्द और असुविधा का कारण बन सकता है। यह स्थिति अक्सर तनाव, चिंता और अवसाद को बढ़ा सकती है। जिसका सामना करने के लिये गठिया पीड़ित व्यक्ति, उसकी देखरेख करने वाले तथा उसके साथ रहने वालों के व्यवहार में सकारात्मकता बहुत जरूरी होती है। जिसके लिये उनकी काउंसलिंग बहुत जरूरी होती है। मगर भारत में इस पहलु पर कतई भी ध्यान नहीं दिया जाता है। इस वजह से पेशेंट के तनाव और अवसाद का स्तर बढ़ जाता है, जो गठिया की तकलीफ को बढ़ा सकता है।

होम्योपैथी और देशी जड़ी-बूटियां : यदि रोगी गठिया की तकलीफ होते ही अविलम्ब किसी अनुभवी होम्योपैथ और जड़ी-बूटियों के उपचारक की सेवा ले सके तो बहुत संभावना होती है कि गठिया का निदान किया जा सकता है। जैसे-जैसे गठिया रोग पुराना होता जाता है, वैसे-वैसे गठिया रोग से रोगी के मुक्त या स्वस्थ होने के अवसर कम होते जाते हैं। जिसकी बड़ी वजह है-गठिया रोग हो जाने पर, गठिया रोगी गठिया के दर्द के कारण शारीरिक काम और व्यायाम नहीं कर पाता है। जिसके कारण उसका पाचन तंत्र गड़बड़ा जाता है। बीमार पाचन तंत्र जड़ी-बूटियों को पचाने में असमर्थ हो जाता है। इस अवस्था में पीड़ित व्यक्ति अत्यधिक तनावग्रस्त रहने लगता है, जिसके कारण अनेकों नये भावनात्मक, मानसिक, और शारीरिक विकार जन्म लेने लगते हैं। बावजूद इसके वर्तमान में गठिया के अधिकतर रोगियों को होम्योपैथी तथा देशी जड़ी-बूटियों के सेवन से ही सर्वाधिक परिणाम मिल रहे हैं।

शर्तिया, गारंटीड इलाज की चाहत : गठिया रोग की वास्तविकता से अनभिज्ञ पेशेंट और उनके परिवारजन अक्सर गठिया के शर्तिया, गारंटीड इलाज की चाहत रखते हैं। उनके भोलेपन को सुनकर दुःख होता है। अनेक बार हंसी भी आती है। हकीकत तो यह है कि किसी भी बीमारी के ठीक होने की गारंटी देना गैर कानूनी है, लेकिन 3 महीना से अधिक पुराने गठिया रोगी की चिकित्सा, रोगी से कहीं अधिक एक सच्चे चिकित्सक के लिये चुनौती होती है। जिसके लिये उसे बहुत सा समय खर्चना पड़ता है। यहां यह समझना जरूरी होता है कि समय का मतलब जीवन होता है! आज के पूंजीवादी एवं स्वार्थी युग में जब लोग अपनों तक की परवाह और सेवा नहीं करते, कोई भी गैर व्यक्ति अपना समय यानी अपना जीवन मुफ्त में किसी गैर को नहीं दे सकता। गठिया रोगी दवाइयों की कीमत अदा कर देते हैं, लेकिन चिकित्सक के समय की वास्तविक कीमत कोई नहीं देना चाहता। यह भी उनके सही उपचार नहीं होने का एक बड़ा कारण है।

मैं गठिया रोगियों के कुछ गिने चुने केस लेता हूं, लेकिन उसके लिये सबसे पहले गठिया रोगी को सह स्वीकार करना होता है कि वह मुझ से शर्तिया और गारंटीड उपचार की जरा सी भी उम्मीद नहीं करेगा और उसे निरंतर उपचार लेना होगा। जिसकी कोई समय सीमा नहीं। अनेक को ताउम्र उपचार लेना पड़ सकता है। हां हमारी सेवाओं के सामान्यतः कोई दुष्प्रभाव नहीं होते हैं। जिन्हें मेरी सेवा मंजूर होती है, उनको मैं अपनी शर्तों पर अपनी सेवा देकर उनको यथासंभव रोगमुक्त करने की सम्पूर्ण कोशिश करता हूं। परिणाम तो प्रकृति और बहुत सी अन्य बातों पर निर्भर करते हैं।

जनहित में कुछ सुझाव: यदि आप चाहते हैं कि आपको गठिया नहीं हो या गठिया से जल्दी से मुक्ति मिल सके तो आप-

1. किसी काउंसलर की सलाह से मनोविकारों से मुक्त होकर, निरंतर व्यायाम करते हुए शरीर को सक्रिय रखें।

2. किसी हर्बलिस्ट की सलाह से शुद्ध निर्गुंडी अर्क, हरसिंगार अर्क, पित्त पापड़ा अर्क, गोरखमुंडी अर्क इत्यादि का स्वस्थ होने तक निरंतर सेवन करें। और

3. अपने शरीर के जोड़ों या किन्हीं अंगों का ऑपरेशन करवाने से पहले सौ बार सोचें, क्योंकि ऑपरेशन पहला नहीं अंतिम विकल्प होता है।

बच्चे मासूम होते हैं, उन्हें जल्दी अच्छे-बुरे का फर्क समझ नहीं आता है। यही वजह है कि वो कई बार अनजाने में कुछ बुरी आदतों के शिकार भी हो जाते हैं। ऐसी ही एक बुरी आदत है झूठ बोलना। कुछ बच्चों को अक्सर बात-बात पर झूठ बोलने या अपनी गलतियों को स्वीकार न करने की आदत होती है। अगर आपके बच्चे में भी ऐसी ही कोई आदत है, तो उसे छुड़वाने के लिए अपनाएं ये आसान टिप्स।

बात-बात पर 'झूठ बोलता है बच्चा' तो हो जाएं सतर्क

बच्चों के रोल मॉडल बनें

बच्चे अक्सर वही करते हैं जो अपने घर में होता हुआ देखते हैं। अगर आप भी बच्चों को बहलाने के लिए उनसे छोटे-मोटे झूठ बोलते रहते हैं तो ऐसा न करें। अपने बच्चों के सामने अपनी ऐसी छवि बनाएं कि वो बड़े होकर आपके जैसा ही बनना चाहें। मतलब आप स्वयं भी बच्चों के सामने झूठ बोलने से बचें।

सच और झूठ के बीच का अंतर समझाएं

अगर आप पहले ही अपने बच्चे को सच और झूठ के बीच का फर्क सममझा देंगे तो वो कभी भी झूठ बोलने की गलती नहीं करेंगे। पेरेंट्स को अपने बच्चे को झूठ के बुरे परिणामों के बारे में जरूर समझाना चाहिए।

चेतावनी दें

आपके समझाने के बावजूद अगर आपका बच्चा झूठ बोलते हुए पकड़ा जाता है,तो उसे समझाने के साथ चेतावनी भी दें। इसके अलावा यह पता लगाने की भी कोशिश करें कि आपके बच्चे ने ऐसा क्यों किया है। कारण का पता लगने पर उसे चेतावनी दें कि गलती दोबारा होने पर उसे सजा भी मिल सकती है।

झूठ बोलने के परिणाम बताएं

बच्चे को समझाएं कि समाज में झूठ बोलने वाले लोगों को कोई पसंद नहीं करता है। ऐसे लोगों पर हर व्यक्ति विश्वास करने से बचता है। जब भी आपका बच्चा झूठ बोले तो उसे उसके परिणामों के बारे में भी जरूर बताएं।

सनातन परंपरा में भगवान भोलेनाथ की भक्ति के लिए श्रावण मास का विशेष महत्व बताया गया है। यही कारण है कि इस पावन मास में हर शिव भक्त न सिर्फ अपने घर में बल्कि देश में स्थित तमाम शिवालयों पर जाकर अपनी कामना के अनुसार औढरदानी शिव की साधना-आराधना करता है। हिंदू धर्म में भगवान द्वादश ज्योतिर्लिंग से जुड़े मंदिरों की तरह पंचतत्व पर आधारित उन 5 शिवालयों का बहुत महत्व माना गया है, जिनके दर्शन मात्र से ही शिव साधक की बड़ी से बड़ी मनोकामना पलक झपकते पूरी हो जाती है। शिव कृपा बरसाने वाले ये 5 पावन धाम कहां हैं और इनकी पूजा का क्या है धार्मिक महत्व आइए इसे विस्तार से जानते हैं।

पंचतत्व से जुड़े 5 शिवालय

जहां से भोले का भक्त कभी नहीं लौटता खाली हाथ

एकंबरनाथ मंदिर (पृथ्वी तत्व)

पृथ्वी तत्व पर आधारित भगवान शिव का यह चमत्कारी मंदिर तमिलनाडु के कांचीपुरम में स्थित है। आम के पेड़ के नीचे प्रतिष्ठित इस शिवलिंग के बारे में मान्यता है कि इसके दर्शन मात्र से शिव साधक के सभी कष्ट और चिंताएं दूर हो जाती हैं। बालू से बनें एकंबरनाथ शिवलिंग का जलाभिषेक करने की बजाय छींटे देने की परंपरा है। भगवान शिव का यह मंदिर देश के 10 बड़े मंदिरों में से एक है जो कि 23 एकड़ के क्षेत्र में है।

जंबूकेश्वर मंदिर (जल तत्व)

त्रिचिरापल्ली में स्थित जंबूकेश्वर मंदिर को जल तत्व का प्रतीक माना जाता है। मंदिर में प्रतिष्ठित शिवलिंग को स्थानीय लोग अप्पू लिंगम के नाम से पूजते हैं, जिसका अर्थ होता है जल लिंगम। भगवान भोलेनाथ का यह मंदिर भी काफी बड़े क्षेत्र लगभग 18 एकड़ में बना है। इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि कभी यहां पर माता पार्वती ने जल से शिवलिंग निकाल कर महादेव की पूजा की थी।

अरुणाचलेश्वर मंदिर (अग्नि तत्व)

तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई में स्थित इस मंदिर में भगवान शिव की पूजा अग्नि तत्व के रूप में की जाती है। हिंदू मान्यता के अनुसार महादेव के इस मंदिर में दर्शन और पूजन करने पर शिव भक्त के जीवन में छाया अंधेरा दूर होता है और उसे असीम ऊर्जा की प्राप्ति होती है। अरुणाचलेश्वर मंदिर में प्रितिष्ठित शिवलिंग लगभग तीन फिट है। दक्षिण भारत के इस शिव मंदिर में दर्शन के लिए हर दिन बड़ी संख्या में भक्तगण पहुंचते हैं।

कालहस्तीश्वर मंदिर (वायु तत्व)

भगवान शिव का वायु तत्व पर आधारित मंदिर आंध्र प्रदेश के जिला चित्तुर के काला हस्ती क्षेत्र में स्थित है। ऊंची पहाड़ी पर बने भगवान शिव के इस मंदिर को शिव भक्त दक्षिण का कैलाश कहकर बुलाते हैं। कालहस्तीश्वर मंदिर के भीतर प्रतिष्ठित शिवलिंग की ऊंचाई लगभग चार फिट है। इस शिवलिंग को वायु लिंग या कर्पूर लिंगम के नाम से भी जाना जाता है। इस शिवलिंग पर न तो जल चढ़ाया जाता है और न ही इसका स्पर्श किया जाता है।

नटराज मंदिर (आकाश तत्व)

भगवान शिव का आकाश तत्व पर आधारित मंदिर तमिलनाडु के चिदंबरम शहर में स्थित है। दक्षिण भारत के इस मंदिर को थिल्लई नटराज मंदिर के नाम से जाना जाता है, जहां पर भगवान शिव की नृत्य करते हुए मूर्ति के दर्शन होते हैं। पंचतत्वों पर आधारित मंदिरों में सिर्फ यही एक मंदिर है,जहां पर भगवान शिव की लिंग की बजाय मूर्ति या फिर कहें साकार रूप की पूजा होती है।

बारिश में कौन-कौन सी सब्जियां आती हैं। आपसे अगर हम ये सवाल पूछ लें तो थोड़ी देर आप भी सोच में आ जाएंगे। इसके पीछे एक कारण ये है कि बारिश में सब्जियों की कमी को लेकर हमारे दिमाग में पहले से ही कुछ बाते हैं। जैसे इस मौसम की सब्जियां गली और सड़ी होती हैं। महंगी होती हैं और इनमें कीड़े होते हैं। लेकिन, ये तमाम चीजें के इतर एक फैक्ट ये भी है कि बारिश में कई प्रकार की सब्जियां हमारे खेतों में उगती हैं बस बाजार तक उनकी पहुंच में दिक्कत होने की वजह से ये महंगी हो जाती हैं या पहुंचते-पहुंचते सड़ जाती हैं। पर इसका अर्थ ये नहीं है कि बारिश में सब्जियां नहीं होती इसलिए हमें दालों का सेवन करना चाहिए। तो, आइए जानते हैं इन सब्जियों के बारे में।

बारिश के मौसम में कौन सी सब्जियां खानी चाहिए?

खरीदने से पहले देख लें

1. बीन्स

बारिश के मौसम में खेतों में बीन्स आ जाती हैं। दरअसल, बीन्स लता वाली सब्जियों में आता है और इन्हें खाना आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है।

दरअसल, ये जमीन से ऊपर रहते हैं और इसलिए बारिश में बचे हुए रह जाते हैं। आप बीन्स को सब्जी, भजिया और पुलाव में इस्तेमाल कर सकते हैं।

2. लोबिया

लोबिया एक फलीदार सब्जी है और बारिश के मौसम में आपको ये आराम से मिल जाएंगी। आप इसे आराम से बना खा सकते हैं। इसके प्रयोग आप सूप से लेकर सब्जी तक में कर सकते हैं। ये सेहत के लिए भी अच्छा है।

3. भिंडी

भिंडी को लेकर कुछ लोगों को मत ये है कि ये गर्मी वाली सब्जी है लेकिन, क्या नहीं है। भींडी आपको इस बरसात के मौसम में भी मिल जाएगी। भींडी को आप कई प्रकार की सब्जियों में इस्तेमाल कर सकते हैं।

4. करेला

करेला आपको इस मौसम में भी मिल जाएगा। दरअसल, ये भी लता वाली सब्जियों में आता है और आप इसे अपने घरों में भी लगा सकते हैं। ये डायबिटीज से लेकर दिल के मरीजों तक के लिए फायदेमंद है। तो, इस मौसम में कुछ न मिले तो करेला खाएं।

5. चौलाई

चौलाई का सेवन आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। ये हड्डियों से जुड़ी समस्याओं वालों के लिए भी फायदेनमंद है। तो, आप चौलाई का साग बनाएं, पकौड़ी खाएं और इसे आलू के साथ मिलाकर सब्जी बनाएं।

6. सफेद पेठा

सफेद पेठा, आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। इन्हें वेट लॉस करने वाले ज्यादा खाते हैं। आप इससे सब्जी, रायता और फिर पेठा भी बनाकर खा सकते हैं। तो, इस मौसम में आप इस सब्जी को आराम से खाएं।

7. तुरई

तुरई आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। ये पानी से भरपूर सब्जी इस मौसम में आपको आरान से मिल जाएगी। तो, बाजार जाएं तो इन सब्जियों का ज्यादा चुनाव करें। ये बाकी तुलना में सस्ते हो सकते हैं और इन्हें खाना भी फायदेमंद हो सकता है।

बड़े सपनों को पूरा करने के लिए यूं बढ़ाएं फोकस

मिलेगी सफलता

हर कोई अपने लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने के लिए तमाम सपनों को देखता है। इन सपनों को पूरा करने के लिए लक्ष्य को निर्धारित करना बहुत ही जरूरी होता है। बहुत से लोग लक्ष्य तो निर्धारित कर लेते हैं लेकिन उस पर फोकस नहीं कर पाते हैं। इस वजह से लक्ष्य को पाना उनके लिए मुश्किल भरा होता है। कई बार बहुत कोशिश के बाद भी लोग अपने लक्ष्य पर फोकस नहीं कर पाते हैं और हमेशा उनका ध्यान भटकता रहता है। ऐसे में यहां कुछ तरीके बता रहे हैं जो फोकस रहने में आपकी मदद करेंगे।

अच्छे से करें दिन की शुरुआत

सुबह सबसे पहले भरपूर हरी सब्जियां, अच्छे और कम फैट वाले प्रोटीन नाश्ता खाकर दिन शुरू करें। दिन भर के लिए अपने लक्ष्यों पर ध्यान लगने के लिए मेडिटेशन करने का रूटीन बनाएं। इसी के साथ एक्सरसाइज के लिए भी सुबह का समय सबसे अच्छा होता है। ऐसा करने पर ब्लड पंप होता है जिससे आपको ज्यादा एनर्जी मिलती है पूरे दिन ध्यान लगा रहने में मदद मिलती है।

एक मंत्र सेट करें

मंत्र आपके दिमाग को फिर से स्थापित करने और ध्यान लगाए रखने का एक शक्तिशाली तरीका है। आप इसे अपने मुताबिक सेट कर सकते हैं बस रोजाना इसे जोर से और उत्साह से कहें। ऐसा करने पर आपको फोकस जरूर बढ़ेगा।

मल्टीटास्क न करें

मल्टीटास्क करने पर आप कई काम खराब तरीके से कर रहे होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हर बार जब हम काम बदलते हैं, तो हमारा थोड़ा सा ध्यान पीछे रह जाता है। इससे ध्यान भटकता है।

प्लान बनाएं

रोजाना प्लान की लिस्ट बनाना और यह सोचना कि आप इस काम को पूरी कर लेंगे, ये सही नहीं है। अपने लक्ष्यों को महीने, हफ्ते और दिन के आधार पर डिवाइड करें। ऐसा करने पर लक्ष्य पाना आसान हो सकता है।

रात में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं ये चीजें

मानसून में खिला-खिला रहेगा चेहरा

मानसून के मौसम में स्किन का चिपचिपा होकर डल दिखना काफी कॉमन है। हालांकि, इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके लिए करना ये हैं कि एक सही स्किन केयर रूटीन को जानें। वैसे तो स्किन केयर के लिए आपको अपनी स्किन क्वालिटी पता होनी चाहिए। हालांकि, सभी स्किन केयर में स्टेप्स सेम ही होते हैं। मानसून में अगर आप खिली-खिली स्किन चाहती हैं तो रात में सोने से पहले इन स्टेप्स को फॉलो करें।

ग्लोइंग स्किन के लिए क्या लगाएं

क्लीनिंग- सोने से पहले अपने चेहरे को अच्छे से साफ करें। आंखों पर मेकअप किया है तो पहले ऑयल मसाज करने के बाज कॉटन से साफ करें और फिर चेहरे को धोएं। चेहरा साफ करने के लिए आप दूध का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

टोनर- अपने चेहरे को अच्छे से साफ करने के बाद इसपर टोनर का इस्तेमाल करें। ये स्किन को अच्छी तरह से साफ करने में मदद करेगा। टोनर की मदद से पोर्स तो साफ होते ही हैं, बल्कि उसका साइज बढ़ा होने से रोकने और उन्हें मिनीमाइज करने में भी मदद करते हैं। फेस टोनर की जगह आप गुलाब जल का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

फेस मास्क- चेहरे को अच्छे से साफ करने के बाद अगर आप सीरम का इस्तेमाल करती हैं तो उसे लगाएं। या फिर एलोवेरा जेल की एक पतली लेयर को भी आप चेहरे पर लगा सकती हैं। एलोवेरा जेल स्किन की कई तरह की परेशानियों से निपटने में आपकी मदद कर सकता है।

घरों में फैली गंध से हैं परेशान

इन टिप्स से महक उठेगा कोना-कोना

बरसात में घरों के भीतर नमी और सीलन से दुर्गन्ध की समस्या फैल जाती है। कोई गेस्ट आ जाए तो बड़ी शर्मिन्दगी सी महसूस होती है। बरसात में सबसे बड़ी समस्या घरों में गीले कपड़ों को पसारने और सुखाने की होती है। कई लोग घरो में ही बालकनी, आंगन या फिर कमरे में ही कपड़ों को पसारते हैं। इस कारण नमी और सीलन से घर के हर कोने में बदबू फैल जाती है। गीले और नम कपड़ों, भींगे जूतों, अलमारी,रसोई से अजीब सी गंध उत्पन्न होती है।

बारिश में घरों में फैली दुर्गन्ध को ऐसे करें दूर :

सही वेंटिलेशन नहीं होना और सूरज की रोशनी की कमी इस बासी गंध का मुख्य कारण है। इसके अलावा, फफूंदी और फफूंद के धब्बे सेहत के लिए नुकसानकारी होने के साथ घरों की रौनक भी खराब कर देते हैं। इस दुर्गन्ध से निजात पाने का सबसे बढ़िया तरीका है कि जितना संभव हो सके घर को सूखा और हवादार बनाएं। जब भी बारिश बंद हो और धूप खिली हो तो कपड़ों को हवा में रखना और सुखाना बेहतर होगा। अलमारियों में कपड़े और जूते गीले ना रहें इसका ध्यान रखें। बढ़ती नमी के साथ, लकड़ी के दरवाजों के अंदर और कपड़ों पर भी फफूंद के धब्बे दिखाई दे सकते हैं। नीम का तेल, सूखे नीम के पत्ते, सफेद सिरका, बेकिंग सोडा, और कुछ आवश्यक तेल सफाई के साथ दुर्गन्ध दूर करने में बहुत असरदार हैं। लकड़ी के दरवाजों को सिरके या नीम के तेल के घोल से साफ किया जा सकता है। बेकिंग सोडा, सूखे नीम के पत्तों का पैकेट अलमारी में रख सकते हैं। नेप्थलीन की गोलियों को अलमारी में रख सकते हैं। पसंदीदा सुगंध वाली मोमबत्तियों और अगरबत्तियों के इस्तेमाल से खुशबू फैला सकते हैं। किचन हो या घर का कोई भी कोना कचरा जमा ना होने दें। बाथरूम की नियमित सफाई करें। घर में रोज धूप या कपूर जलाने से बदबू खत्म हो जाती है।

मानसून में डेंगू और मलेरिया का खतरा, ऐसे बढ़ाएं ब्लड प्लेटलेट्स

मानसून ने पूरे भारत में चिलचिलाती गर्मी से राहत तो दिला दी है, लेकिन इसके साथ ही डेंगू का खतरा भी काफी बढ़ गया है, क्योंकि इस मौसम में मच्छरों का लार्वा तेजी से बढ़ता है। हर साल डेंगू बुखार से कई लोगों की मौत हो जाती है। इस बीमारी में ब्लड प्लेटलेट काउंट तेजी से गिरता है। अगर आपको भी यह समस्या है तो कुछ पौधों का रस राहत दिलाने वाला साबित हो सकता है।

डेंगू कैसे फैलता है?

डेंगू एक संक्रामक रोग है जो एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। चूंकि इसके शरीर पर सफेद धारियां होती हैं इसलिए इसे 'टाइगर मॉस्किटो' भी कहा जाता है। इस मच्छर का लार्वा साफ पानी में पनपता है और यह दिन में काटता है। डेंगू का मच्छर डंक मारकर अपना वायरस इंसान के शरीर में फैलाता है, फिर जब यह किसी दूसरे स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो उसका शरीर भी संक्रमित हो जाता है। आमतौर पर यह 16 से 30 डिग्री तापमान पर अधिक बढ़ता है इसलिए बरसात का मौसम इसके प्रजनन के लिए उपयुक्त होता है।

डेंगू बुखार में प्लेटलेट काउंट गिर जाता है

एक स्वस्थ व्यक्ति में प्रति माइक्रोलीटर रक्त में प्लेटलेट्स की संख्या 1,50,000 से 2,50,000 के बीच होती है, लेकिन जब टाइगर मच्छर के काटने के बाद बुखार आता है, तो यह संख्या आमतौर पर 1 लाख से अधिक हो जाती है और प्लेटलेट कम हो जाता है, जिससे जान का खतरा बढ़ जाता है।

डेंगू होने पर पियें ये 2 जूस

1) पपीते के पत्तों का रस

जब भी आपको या आपके परिवार के किसी सदस्य को डेंगू बुखार हो और प्लेटलेट काउंट कम हो जाए तो पपीते के पत्तों का रस निकालकर पिएं, जल्द ही फायदा होगा।

2) गिलोय का रस

गिलोय एक ऐसा पौधा है जिसे अगर आयुर्वेद का वरदान कहा जाए तो शायद गलत नहीं होगा। डेंगू बुखार बढ़ने पर तुरंत इसका जूस निकालकर पी लें, इससे प्लेटलेट्स काउंट तेजी से बढ़ता है और ठीक होने में भी आसानी होती है।

डेंगू से बचने के उपाय

बरसात के मौसम में गमले, नारियल के छिलके, टायर और पक्षियों के लिए रखे गए बर्तनों जैसी चीजों में पानी जमा न होने दें। इसके अलावा समय-समय पर कूलर का पानी बदलते रहें या फिर उसमें 2 चम्मच मिट्टी का तेल डाल दें। पानी की टंकी खुली रखने पर भी उसमें डेंगू के मच्छर पनपने लगते हैं।

संक्षिप्त समाचार

हंगरी केद्वारा आयोजित बैठकों का बहिष्कार करेंगे ईयू के शीर्ष अधिकारी

बुडापेस्ट , एजेंसी। उधर, हंगरी ने अगले छह महीने के लिए हाल ही में यूरोपीय संघ (ईयू) की परिषद की अध्यक्षता ग्रहण की है। लेकिन ईयू के शीर्ष अधिकारियों ने हंगरी द्वारा आयोजित औपचारिक बैठकों का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। दरअसल, विक्टर ओरबान अभी हंगरी के प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें रूस समर्थक माना जाता है। उन्होंने रूस के खिलाफ लड़ाई में यूक्रेन का समर्थन करने के प्रस्ताव को वीटो कर दिया था। इसका मतलब है कि प्रस्ताव का विरोध किया था।

ओरबान ने यूरोपीय संघ की प्रवासन नीति में सुधार का भी विरोध किया था। इसके अलावा उन्होंने कई ऐसे विदेशी नेताओं से सिलसिलेवार बैठकें कीं, जिसने यूरोपीय भागीदारों को नाराज कर दिया। यूरोपीय संघ की परिषद की अध्यक्षता इसके सदस्यों को बारी-बारी से दी जाती है।

नाटो से तनाव के बीच चीन-रूस का संयुक्त अभ्यास शुरू

मास्को, एजेंसी। नाटो से तनाव के बाच चीन और रूस की नौसेनाओं ने दक्षिणी चीन में एक सैन्य बंदरगाह पर साझा अभ्यास शुरू किया है। चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के मुताबिक, यह अभ्यास ऐसे वक्त में हो रहा है, जब कुछ दिन पहले उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देशों ने बीजिंग को यूक्रेन में युद्ध का 'निर्णायक समर्थक' बताया था। चीनी रक्षा मंत्रालय ने कहा, इस अभ्यास का अंतरराष्ट्रीय व क्षेत्रीय स्थितियों से कोई लेनादेना नहीं है। इसमें किसी तीसरे पक्ष को निशाना नहीं बनाया गया है।

दिल्ली से न्यूयॉर्क जा रहा विमान लंदन में उतारा गया

लंदन , एजेंसी। दिल्ली से न्यूयॉर्क जा रहे अमेरिकन एयरलाइंस के एक विमान को सोमवार सुबह चिकित्सीय आपात स्थिति के कारण लंदन की ओर मोड़ना पड़ा। हालांकि बाद में विमान ने न्यूयॉर्क के लिए फिर से उड़ान भरी। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि विमान को चिकित्सीय आपात स्थिति के कारण लंदन के समयानुसार सुबह सात बजे हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतारा गया और करीब साढ़े नौ बजे फिर न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भरी।

डोनाल्ड ट्रंप बने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, रिपब्लिकन कन्वेंशन में पार्टी ने किया ऐलान

मिलवाउकी, एजेंसी। अमेरिका में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में पर्याप्त संख्या में डेलीगेट के वोट हासिल करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार बन गए हैं।

ट्रंप कई महीने से राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के संभावित उम्मीदवार थे। वह सोमवार को मिलवाउकी में पार्टी के सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधियों के वोट प्राप्त करके आधिकारिक रूप से रिपब्लिकन उम्मीदवार बन गए हैं।

नामांकन हासिल करने के लिए पर्याप्त प्रतिनिधियों के वोट प्राप्त करने के बाद, पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप लगातार तीसरे चुनाव में जीओपी का नेतृत्व करेंगे। 2016 में विजेता रहे, वे 2020 में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन से हार गए। नवंबर में उनका फिर से बाइडेन से सामना होगा।

डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला: बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप (78) शनिवार को पेनसिल्वेनिया में एक रैली में उस समय बाल-बाल बच गए, जब एक हमलावर ने उन पर कई गोलियां चलाईं। इस हमले में वह जख्मी हो गए और उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से पर चोट आई।

आधिकारिक प्रत्याशी के तौर पर नामांकन: जानकारी के मुताबिक मिलवाउकी में 18 जुलाई को डोनाल्ड ट्रंप पार्टी के आधिकारिक प्रत्याशी के तौर पर नामांकन को औपचारिक रूप से स्वीकार करेंगे और भाषण देंगे। ट्रंप रविवार शाम स्थानीय समयानुसार करीब छह बजे मिलवाउकी पहुंचे थे। देशभर के 2,400 से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधि रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में इकट्ठा हुए हैं। यहां उन्होंने ट्रंप के समर्थन में वोट करके फैसले की औपचारिक घोषणा की।

उपराष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल जेडी वैंस का भारत से खास नाता

वैंस की पत्नी उषा चिलुकुरी भारत के आंध्र प्रदेश के भारतीय प्रवासियों की बेटी हैं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। इससे पहले, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में ओहायो के सीनेटर जेडी वैंस को चुना है। हालांकि, अब जिस नाम की चर्चा सबसे अधिक हो रही है, वो हैं जेडी वैंस की पत्नी उषा चिलुकुरी वैंस। उनका भारत से खास नाता है। दरअसल, वह भारतीय मूल की हैं।

कौन हैं उषा चिलुकुरी?: एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उषा चिलुकुरी भारत के आंध्र प्रदेश के भारतीय प्रवासियों की बेटी हैं, जो कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में बस गए थे। उषा का जन्म कैलिफोर्निया में ही हुआ था। वह सैन डिएगो के उपनगरीय इलाके में पली-बढ़ी हैं। उनके पिता एक मैकेनिकल इंजीनियर हैं और मां एक जीवविज्ञानी हैं।

उषा चिलुकुरी ने माउंट कार्मेल हाई स्कूल से भी पढ़ाई की है, जो रैंचो पेनासक्विटोस में स्थित एक पब्लिक हाई स्कूल है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, उषा मुंगेर, टोल्स एंड ओल्सन के सैन फ्रांसिस्को और वाशिंगटन, डीसी कार्यालयों में एक वकील के रूप में काम करती हैं। उन्होंने 2015 से 2017 तक कंपनी के साथ काम किया और उसके बाद 2018 तक सुप्रीम कोर्ट में लॉ क्लर्क के रूप में काम किया।

साल 2019 में वापस लौटीं मुंगेर: उस दौरान उन्होंने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जॉन जी रॉबर्ट्स जूनियर के साथ-साथ जज ब्रेट कवनौघ और जज अमूल थापर के लिए क्लर्क के रूप में काम किया। बाद में वह जनवरी 2019 में मुंगेर, टोल्स और ओल्सन में लौट आईं और उनकी प्रैक्टिस उच्च शिक्षा, स्थानीय सरकार, मनोरंजन और सेमीकंडक्टर सहित प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में जटिल सिविल मुकदमेबाजी और अपील पर केंद्रित है।

आज से करीब 14 साल पहले हुई थी वैंस से मुलाकात: 38 वर्षीय उषा चिलुकुरी वैंस अमेरिका में एक राष्ट्रीय लॉ फर्म में वकील हैं। वह एक हिंदू हैं और उनके पति जेडी रोमन कैथोलिक हैं। अमेरिकी मीडिया में इस बात की भी चर्चा है कि जेडी वैंस को अपनी पत्नी उषा वैंस का समर्थन प्राप्त है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उषा चिलुकुरी और जेडी वैंस की पहली मुलाकात 2010 के दशक में येल लॉ स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई थी। उस दौरान उन्होंने श्वेत अमेरिका में सामाजिक गिरावट विषय पर एक चर्चा समूह का आयोजन किया था। जल्द ही दोनों के बीच दोस्ती हो गई थी।

तीन बच्चों के माता-पिता: एक बार वैंस ने उषा को अपना येल स्पिरिट गाइड कहा था। येल लॉ स्कूल से स्नातक होने के एक साल बाद 2014 में दोनों ने केंटकी में शादी कर ली थी। अब उषा और जेडी वैंस तीन बच्चों के माता-पिता हैं और सिनसिनाटी में रहते हैं। द हिल की रिपोर्ट के मुताबिक, वैंस और उषा के तीन बच्चों में दो बेटे हैं, जिनके नाम इवान और विवेक हैं और एक बेटी है, जिसका नाम मिराबेल है।

जेडी के राजनीतिक करियर पर नजर: उषा और जेडी अपने पारिवारिक जीवन के बारे में काफी निजी हैं। मगर, दोनों कई राजनीतिक कार्यक्रमों में एक साथ नजर आए हैं। उषा 2022 में ओहायो की सीनेट सीट के लिए जेडी वैंस के राजनीतिक अभियान के दौरान उनके साथ थीं, जहां वैंस ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से समर्थन किए जाने के बाद रिपब्लिकन नामांकन जीता था और आखिरकार चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार टिम रयान को हराया था।

चिलुकुरी खुद में काफी पढ़ी-लिखीं: वैंस के राजनीतिक करियर के लिए समर्थन के अलावा, उषा चिलुकुरी की खुद की पृष्ठभूमि काफी प्रभावशाली है। एक लॉ फर्म मुंगेर, टोल्स एंड ओल्सन एलएलपी पर बायोडाटा के अनुसार, येल में अध्ययन के दौरान उषा येल लॉ जर्नल की एग्जीक्यूटिव डेवलपमेंट एडिटर और येल जर्नल ऑफ लॉ एंड टेक्नोलॉजी की मैनेजिंग एडिटर थीं। येल में पढ़ाई के दौरान उन्होंने सुप्रीम कोर्ट एडवोकेसी क्लिनिक, मीडिया फ्रीडम एंड इन्फॉर्मेशन एक्सेस क्लिनिक और इराकी शरणार्थी सहायता परियोजना में हिस्सा लिया था।

लिंक्डइन पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, येल लॉ स्कूल से पहले उषा ने येल विश्वविद्यालय से इतिहास में बीए और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से प्रारंभिक आधुनिक इतिहास में एमफिल की डिग्री प्राप्त की थी, जहां वह गेट्स कैम्ब्रिज स्कॉलर थीं।

शुरुआती करियर में मार्गदर्शन के लिए पत्नी को श्रेय देते हैं वैंस: जेडी वैंस अपने शुरुआती करियर में मार्गदर्शन के लिए उषा चिलुकुरी को श्रेय देते हैं। वह अक्सर अपने करियर में समर्थन के लिए उषा की तारीफ करते हैं। नवंबर 2022 में द न्यूयॉर्क टाइम्स से बात करते हुए उन्होंने अपनी पत्नी को अपने येल स्पिरिट गाइड के रूप में बताया था, जब वे साथ में पढ़ते थे। उन्होंने कहा था, वह (उषा) सहज रूप से उन सवालों को समझती हैं जिन्हें मैं पूछना भी नहीं जानता हूं और उन्होंने मुझे हमेशा ऐसे अवसरों की तलाश करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं था।

पीपुल की रिपोर्ट के मुताबिक, जेडी वैंस ने 2020 में एक पॉडकास्ट में बताया था, मैं उन लोगों में से एक हूं जिन्हें अपने बाएं कंधे पर एक शक्तिशाली महिला की आवाज से वास्तव में लाभ होता है, जो कहती है, ऐसा मत करो, ऐसा करो।

अमेरिका-भारत के बीच अच्छे संबधों को.: अमेरिका स्थित वैश्विक रियल एस्टेट निवेश सलाहकार और एक प्रसिद्ध उद्यमी एआई मेसन ने कहा कि उषा वैंस एक बेहद कुशल वकील और भारतीय प्रवासियों की बेटी हैं। उनके पति ट्रंप के टिकट पर युवा और विविधता लाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उषा भारतीय संस्कृति और भारत के बारे में सब कुछ जानती हैं। वह अमेरिका और भारत के बीच अच्छे संबंधों को आगे बढ़ाने में अपने पति की काफी मदद कर सकती हैं।

बहुत विचार के बाद ही कुछ कहते हैं वैंस- उषा: इस बीच, फॉक्स एंड फ्रेंड्स के साथ पहले हुए एक साक्षात्कार में उषा चिलुकुरी वैंस और उनके सीनेटर पति ने दोनों की अलग-अलग आस्थाओं और धर्मों के बारे में बात की और अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद के लिए उनके चयन की अटकलों पर भी बात की। उषा वैंस ने कहा, मुझे नहीं लगता कि लोग समझते हैं कि वह कितनी मेहनत करते हैं और वह कितने रचनात्मक हैं। वह बहुत सोच-विचार के साथ कुछ भी कहते और करते हैं। वह हमेशा बेहतर करने की कोशिश करते रहते हैं।

अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ में 35 लोगों की मौत, 250 घायल

जलालाबाद, एजेंसी। पूर्वी अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में बारिश और अचानक आई बाढ़ में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई और 250 अन्य घायल हो गए। एक स्थानीय अधिकारी ने सोमवार देर शाम यह जानकारी दी। नंगरहार के सूचना और संस्कृति के प्रांतीय निदेशक कुरैशी बडलोन के अनुसार, इस आपदा ने प्रांतीय राजधानी जलालाबाद, सुख रोड जिले और पाकिस्तान की सीमा से लगे प्रांत के पड़ोसी क्षेत्रों को प्रभावित किया है।

अधिकारी ने कहा कि हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। सोमवार सुबह कुछ घंटे पहले नंगरहार के पड़ोसी कुनार प्रांत में भी इसी तरह की प्राकृतिक आपदा ने पांच लोगों की जान ले ली। युद्धग्रस्त देश में मई से अब तक भारी बारिश और बाढ़ ने 400 से अधिक लोगों की जान ले ली है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

ओमान की मस्जिद में गोलीबारी, चार की मौत, फुटेज में भागते दिखे लोग

मस्कट, एजेंसी। ओमान की एक मस्जिद में गोलीबारी की खबर है। इस गोलीबारी में चार लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हैं। घायलों की स्थिति को देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। ओमान पुलिस ने बताया कि अभी तक हमले के पीछे की वजह का पता नहीं चला है।

अमेरिका दूतावास ने लोगों से की सावधानी बरतने की अपील: पुलिस के अनुसार, ओमान की राजधानी मस्कट के नजदीक स्थित अल-वादी अल-कबीर इलाके में स्थित मस्जिद में गोलीबारी हुई। संदिग्ध अपने साथ हथियार लेकर मस्जिद पहुंचा और लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी। अरब सागर के पूर्व में स्थित ओमान में इस तरह की हिंसा बेहद दुर्लभ घटना है। अमेरिकी दूतावास ने बयान जारी कर अमेरिकी नागरिकों को उस इलाके से दूर रहने की सलाह दी है। अमेरिकी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अमेरिकी नागरिकों को सतर्क रहना चाहिए, स्थानीय समाचारों पर नजर रखनी चाहिए और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करना चाहिए।

हमले का फुटेज आया सामने: हमले का एक फुटेज सामने आया है, जिसमें गोलियों की आवाज के बीच इमाम अली मस्जिद के पास से लोगों को भागते हुए दिखाया गया है। फुटेज में एक आवाज या अल्लाह और या हुसैन सुनी जा सकती है। इमाम हुसैन को शिया पैगंबर मोहम्मद का सही उत्तराधिकारी मानते हैं। शिया इस सप्ताह आशूरा मना रहे हैं, जो शोक का वार्षिक दिन है। आशूरा इमाम हुसैन की 7वीं शताब्दी के युद्धक्षेत्र में शहादत की याद में मनाया जाता है। पुलिस ने अपने बयान में कहा कि हालात को संभालने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय और प्रक्रियाएं अपनाई गई हैं।

कनाडा में खालिस्तानियों को खुली छूट, अब बच्चों से लगवा रहे हैं भारत विरोधी नारे

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की दोबारा सत्ता हासिल करने की महत्वाकांक्षा इतनी ज्यादा प्रबल हो चुकी हैं कि उन्होंने अपने देश में खालिस्तानियों को भारत विरोधी गतिविधियां करने की खुली छूट दे रखी है। हाल ही में खालिस्तान समर्थकों ने सरी में एक रैली का आयोजन किया और इस दौरान पी.एम. मोदी की आपत्तिजनक झांकी भी निकाली।

इस दौरान खालिस्तानी समर्थकों ने रैली में शामिल बच्चों से नारे भी लगावाए। इन नारों में कहा जा रहा था कि हमने इंदिरा गांधी को भी मार डाला और अब पी.एम मोदी की बारी है। बताया जा रहा है कि जस्टिन ट्रूडो की सियासत खालिस्तानियों पर ही टिकी हुई है और आगामी 2025 के आम चुनाव में उन्हें एक बड़ा वोट बैंक छिटकने का डर है जिसके चलते वह खालिस्तानियों की मनमानी को झेल रहे हैं।

कनाडा और भारत के बेहतर रिश्तों पर सवाल

मामले से जुड़े जानकारों का कहना है कि कनाडा के सरी में खालिस्तानी समर्थकों की रैली का मंजर तालिबानी शासन जैसा ही था, जहां उन्हें रोकने टोकने वाला कोई नहीं था। ट्रूडो सरकार के कार्यकाल में इस तरह की घटना पहली बार नहीं हुई है, जब खालिस्तानियों को ऐसे कृत्य करने की इजाजत दी गई हो। इससे पहले भी खालिस्तानियों का भारत विरोधी गतिविधियां करने की खुली छूट दी जाती रही है। हालात ऐसे हो चले हैं कि कनाडा और भारत के बेहतर रिश्तों को लेकर आए दिन सवाल उठने लगे हैं। बीते साल उसने अपने यहां मारे गए आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ बता डाला था। भारत के विरोध के बाद भी वो बेसिर-पैर बातें करता रहा है। बीते जून माह में कनाडाई संसद में इसी आतंकी की पहली बरसी पर दो मिनट का मौन रखा गया था।

ऐसे कनाडा में दाखिल हुए थे खालिस्तानी: एक अन्य रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 1960 के दशक में जब कनाडा में लिबरल पार्टी की सरकार आई तो उसे मैनपावर की जरूरत थी। इस दौरान उसने भारतीयों के लिए वीजा नियमों में काफी ढील दे दी, जिससे पंजाब से जहाज भर-भरकर सिख कनाडा पहुंचने लगे।

रूस के साथ अपने मजबूत संबंधों का इस्तेमाल करके यूक्रेन युद्ध रुकवाए भारत, अमेरिका की अपील

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका ने भारत से अपील की है कि वह रूस के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों का इस्तेमाल करे और राष्ट्रपति पुतिन को कहे कि वह यूक्रेन के खिलाफ युद्ध रोक दें। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने ये अपील की। मैथ्यू मिलर ने कहा कि भारत के रूस के साथ पुराने और मजबूत संबंध रहे हैं और ये सभी को पता हैं। हम चाहेंगे कि भारत, रूस के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रपति पुतिन से अपील करें कि वह यूक्रेन के खिलाफ जारी अवैध युद्ध को रोक दें और शांति स्थापित करें।

पुतिन को यूएन चार्टर का सम्मान करने के लिए मनाए भारत: मिलर ने कहा कि भारत पुतिन से कहे कि वह यूएन चार्टर का सम्मान करें और साथ ही यूक्रेन की क्षेत्रीय संप्रभुता को भी सम्मान करें। भारत हमारा भी अहम सहयोगी है, ऐसे में हम चाहेंगे कि भारत रूस को समझाने की कोशिश करे। अमेरिकी विदेश विभाग का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस का दौरा किया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी के रूस दौरे की आलोचना की थी और कहा था कि इससे शांति प्रयासों को बड़ा झटका लगेगा। अमेरिका ने भी भारत के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की थी।

पीएम मोदी को रूस से सर्वोच्च सम्मान से किया गया सम्मानित: प्रधानमंत्री मोदी ने मॉस्को दौरे पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच साल 2030 तक सालाना व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। रूस दौरे पर पीएम मोदी को रूस के सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से सम्मानित भी किया गया था। पुतिन के साथ मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भी भावी पीढ़ियों के लिए शांति स्थापित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि युद्ध के मैदान से कोई हल नहीं निकल सकता और बातचीत से ही कोई समाधान निकलने की उम्मीद है।

इंस्टाग्राम मॉडल ने फॉलोअर्स को जबरन सेक्स वर्क में धकेला, कोर्ट ने सुनाई जेल की सजा

ब्रासीलिया , एजेंसी। इंस्टाग्राम पर एक वेलनेस इन्फ्लुएंसर के रूप में सफल करियर बनाने वाली पूर्व ब्राज़ीलियाई मॉडल कैट टोरेस को आठ साल की जेल की सज़ा सुनाई गई है। यह चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब एफबीआई की जांच में पता चला कि वह मानव तस्करी और गुलामी में शामिल थी। जांच 2022 में शुरू हुई जब लापता बताई गई दो महिलाओं को टोरेस के साथ रहते हुए पाया गया।

टोरेस के कई अनुयायियों ने दावा किया कि उन्हें तस्करी करके लाया गया था और उन्हें जबरन सेक्स वर्क में धकेला गया था। टोरेस द्वारा तस्करी की गई महिलाओं में से एक ने बीबीसी को बताया कि वह उसकी गरीबी से अमीरी की कहानी से आकर्षित थी। एना ने बीबीसी को बताया, ऐसा लगता था कि उसने बचपन में हिंसा, दुर्व्यवहार और इन सभी दर्दनाक अनुभवों पर काबू पा लिया था।

उन्होंने आगे कहा, वह पत्रिकाओं के कवर पेज पर थीं। उन्हें लियोनार्डो डिकैप्रियो जैसे मशहूर लोगों के साथ देखा गया था। मैंने जो कुछ भी देखा वह विश्वसनीय लगा। उसने महिलाओं को अपने साथ रहने के लिए कैसे लुभाया? 2019 में, टोरेस ने एना से उसके साथ न्यूयॉर्क जाने और उसकी लिव-इन असिस्टेंट बनने के लिए कहा। एना, जो उस समय बोस्टन में एक विश्वविद्यालय में पढ़ रही थी, ने ऑनलाइन अध्ययन करने की व्यवस्था की और प्रभावशाली व्यक्ति के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। टोरेस ने कहा कि वह एना को उसकी और उसके जानवरों की देखभाल के लिए हर महीने 2000 डॉलर (1.6 लाख) का भुगतान करेगी। हालांकि, जब वह टोरेस के अपार्टमेंट में पहुंची, तो उसे वास्तविकता का एहसास हुआ। अपार्टमेंट गन्दा, गंदा और बहुत बदबूदार था। एना ने दावा किया कि वह लगातार इन्फ्लुएंसर के लिए उपलब्ध थी क्योंकि वह अकेले रहना बर्दाश्त नहीं कर सकती थी, यहाँ तक कि नहाने जैसे कामों के लिए भी। एना, जो एक कमज़ोर स्थिति में थी, ने खुद को एक अलग स्थिति में पाया। वह बिल्ली के मूत्र से सने सोफे पर मुश्किल से सो पाती थी। आखिरकार एना जो टोरेस की मानव तस्करी की पहली पीड़ितों में से एक थी, अपने नए प्रेमी की मदद से अपने अपार्टमेंट से भाग निकली।

और भी पीड़ित और जबरन सेक्स वर्क: 2022 में दो युवा ब्राज़ीलियाई महिलाएं लापता हो गईं। जब एना को इसके बारे में पता चला तो उसे यकीन हो गया कि यह टोरेस ही है। इस समय तक टोरेस ने जैक नाम के एक व्यक्ति से शादी कर ली थी और वे ऑस्टिन, टेक्सास में पांच बेडरूम वाले अपार्टमेंट में रहने लगे थे। उसने वही पैटर्न दोहराया और दो महिलाओं को अपने लिए काम करने के लिए फुसलाया। बदले में उसने आध्यात्मिक शक्तियों के माध्यम से उनकी समस्याओं को हल करने का वादा किया।

अमेरिका में ट्रंप के पक्ष में सहानुभूति की लहर, आज हों चुनाव तो भारी बहुमत से बनेंगे राष्ट्रपति

न्यूयॉर्क , एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीवार डोनाल्ड ट्रंप पर शनिवार को हुआ हमला राजनीतिक संजीवनी साबित हो सकता है। क्योंकि, हमले के बाद उनके पक्ष में साहनुभूति की जबरदस्त लहर देखने को मिल रही है। हमले से पहले ट्रंप 47 फीसदी के साथ राष्ट्रीय औसत में बाइडन (45 फीसदी) से पहले ही आगे चल रहे हैं। फिलहाल, हमले के बाद पक्ष में बने माहौल को भुनाते हुए ट्रंप 50 फीसदी के राष्ट्रीय औसत को पार करते हुए भारी बहुमत से चुनाव जीत सकते हैं। हालांकि, चुनाव 5 नवंबर को होना है। ऐसे में यह सिर्फ एक काल्पनिक स्थिति है। लेकिन, फिर भी अगर इस सप्ताह में चुनाव हो जाएं, तो इलेक्टोरल कॉलेज के लिहाज से राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए 270 का आंकड़ा हासिल करना होता है, लेकिन तमाम पोल के नतीजे बता रहे हैं कि ट्रंप को 312 तक इलेक्टोरल कॉलेज सीटें मिल सकती हैं। ट्रंप पर जिस पेंसिलवेनिया राज्य में हमला हुआ वहां भी ट्रंप को सर्वे पोल में अच्छी बढ़त मिलती दिख रही है। यहां पर ट्रंप 48 फीसदी के औसत से आगे चल रहे हैं। अगर ट्रंप हर उस राज्य में जीत हासिल कर लेते हैं।

खबर-खास

ड्राई डे के पूर्व आबकारी विभाग सरायपाली की बड़ी कार्यवाही, मैनाडोंगरी पहाड़ी में 250 लीटर कच्ची शराब एवं 2300 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त

महासमुंद (समय दर्शन)। अवैध रूप से आसवित हानिकर कच्ची शराब के विनिर्माण, भण्डारण तथा विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई में मंगलवार को मुखबीर सूचना के आधार पर आबकारी वृत्त सरायपाली तथा बसना द्वारा संयुक्त रूप से ग्राम छुईयापाली स्थित मैनाडोंगरी पहाड़ी में दबिश दी गयी। आबकारी टीम द्वारा मैनाडोंगरी पहाड़ी में तलाशी ली जाने पर 2 चढ़ी भट्ठी, जिसे तोड़ने पर 50 बल्क लीटर कच्ची शराब एवं 2 नग 100 लीटर क्षमता वाली प्लास्टिक ड्रम मे 200 लीटर कुल 250 लीटर कच्ची शराब तथा 11 नग 100-100 किलो क्षमता वाली एवं 6 नग 200-200 किलो क्षमता वाली कुल 17 नग प्लास्टिक ड्रम मे भरी हुई महुआ लाहन कुल 2300 किलो ग्राम बरामद कर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध धारा 34 (1) (क), (च), 34(2) एवं 59 (क) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया एवं आरोपियों की पता साजी की जा रही है। उक्त कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त सरायपाली दरसराम सोनी एवं आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त बसना नितेश बैस के संयुक्त टीम में आरक्षक राजकिशोर पांडे, खिनीराम खुटे, मरकाम, सैनिक लक्ष्मीचरण, कविग्वाल एवं आबकारी स्टाफउपस्थित थे।

दिव्यांग नयन भोई ने मोटराईज्ड ट्राईसाईकिल के सहारे अपने जीविका की राह को बनाया आसान

महासमुंद (समय दर्शन)। सरायपाली विकासखण्ड के ग्राम सराईपतेरा निवासी 52 वर्षीय नयन भोई ने समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदत्त मोटराईज्ड ट्राईसाईकिल का सहारा लेकर अपने जीवन को सरल और स्वतंत्र बनाया है।जन्म से ही दिव्यांग नयन भोई को दैनिक गतिविधियों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन समाज कल्याण विभाग द्वारा मोटराईज्ड ट्राईसाईकिल प्राप्त करने के बाद उनकी जीवनशैली में सुधार हुआ है। अब वे आसानी से अपने व्यवसायिक कार्यों को कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे सरायपाली क्षेत्र में ओड़िशा बरगड़ से मशरूम मंगा कर स्थानीय चौक चौराहों में में बेचते हैं, जिससे उनकी आमदनी बढ़ी है और वे अपने परिवार का भरण-पोषण सुगमता से कर पा रहे हैं। अपनी इस सफलता के लिए उन्होंने शासन, जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग का आभार व्यक्त किया है।

टायफाईड, डेंगू और मलेरिया के मरीजों को देखते हुए जनता से सतर्कता की अपील

भिलाई। बारिश के मौसम में विभिन्न कीटाणुओं और विषाणुओं के संपर्क में आने से अनेक तरह की बीमारियों का खतरा होता है, जिनकी ओर ध्यान न देने पर गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। मानसून के आगमन के साथ ही शहर में टायफाईड, डेंगू, दस्त-पेचिश और मलेरिया आदि के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। अत: इस्पात नगरी में इन बीमारियों के रोकथाम के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र, जनता से सतर्कता की अपील करता है, कि इन मानसूनी बीमारियों से बचाव के आवश्यक उपायों व तरीकों का गंभीरता से पालन करे। मानसून के इन्हीं खतरों के दृष्टिगत भिलाई इस्पात संयंत्र के जनस्वास्थ्य विभाग, नगर सेवाएं विभाग, इन बीमारयों से सुरक्षा हेतु शहरवासियों को जागरूक करने का निरंतर प्रयास कर रहा है/ भिलाई इस्पात संयंत्र के जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा, इस्पात नगरी में मच्छर जनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू आदि की रोकथाम के लिए 15 जून 2024 से सघन अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। इस अभियान के तहत, इस्पात नगरी के आवासों का सर्वे, निरीक्षण, दवाओं का वितरण तथा छिड़काव शुरू हो चुका है। बीएसपी का जन स्वास्थ्य विभाग प्रत्येक रविवार को ड्राई डे मनाती है।

केंद्र के समान डीए और 18 माह का एरियर्स भुगतान जैसे मांगो के साथ कर्मचारी लामबंद हो रहे

संयुक्त मोर्चा के बेनर तले कर्मचारी लामबंद हो रहे

कवर्धा (समय दर्शन)। वर्ष 2018 से आर्थिक तौर पर प्रताड़ित प्रदेश के लाखों कर्मचारी एक बार फिर संयुक्त मोर्चा के बैनर पर लाम बंद हो रहे हैं। केंद्र के समान ड्यू डेट्स से महंगाई भत्ता और 18 महीनों का लंबित महंगाई भत्ता का एरियर्स भुगतान की मांग को लेकर संयुक्त मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल आने वाले दिनों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष, वित्त मंत्री और उपमुख्यमंत्री को कर्मचारियों की भावनाओं से अवगत कराएगा। इसके अलावा नगरीय निकाय के कर्मचारियों को माह के अंतिम दिवस वेतन भुगतान के संबंध में पृथक से ज्ञापन भी दिया जाएगा।

इस आशय का निर्णय इंद्रावती भवन नया रायपुर में आयोजित संयुक्त मोर्चा की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता महासंघ के प्रांतीय संयोजक अनिल शुक्ला ने की। इस अवसर पर दिलीप चंद्रवंशी और शिव गुप्ता ने कवर्धा जिला का प्रतिनिधित्व किया। बैठक में आर्थिक संबंधित दो मांगों पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। पहला केंद्र के बराबर 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता और दूसरा वर्ष 2018 से वर्ष 2024 तक लंबित महंगाई भत्ता के एरियर्स का भुगतान।

बैठक को संबोधित करते हुए शशिकांत सिंह गौतम व अन्य वक्ताओं का एकमत से कहना था की वर्तमान में सरकार को सत्ता में आए मात्र 7- 8 महीने हुए हैं ऐसी स्थिति में हड़ताल की बात सरकार से ना की जाए। वक्ताओं का यह भी कहना था कि उक्त दो सूत्रीय मांगों के संबंध में पहले उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव को अवगत कराया जाए। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि इस क्रम में संयुक्त मोर्चा का प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री से भी भेंट करेगा। उसके बाद मांगे पूरी नहीं होती है तो हड़ताल का रुख तय किया जाएगा। बैठक में कवर्धा से दिलीप चंद्रवंशी शिव गुप्ता उपस्थित रहे।

इसके अलावा मंत्रालयीन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह राजपूत एवं संरक्षक तीरथ लाल सेन, प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष आलोक मिश्रा, लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ के संजय सिंह, भोलाराम कीर, कोषालय कर्मचारी संघ के जितेंद्र सिंह ठाकुर, शिक्षक कांग्रेस के सुनील यादव, शासकीय लघुवेतन कर्मचारी संघ के पी आर साहू, पेंशनधारी कल्याण संघ के डॉ डी पी मनहर, छ ग कर्मचारी संघ के अशोक नवरे, संचालनालयीन कर्मचारी संघ के राजेश वरकड़े, राज्य शिक्षक संघ के नरेन्द्र सिंह ठाकुर, स्वास्थ्य संचालनालय से श्याम लाल साहू, प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संघ से करन सिंह अटेरिया, नवीन शिक्षक संघ के विकास सिंह राजपूत, टीचर्स एसोसिएशन के योगेश सिंह ठाकुर, सर्व कर्मचारी अधिकारी महासंघ के दिलीप कुमार चंद्रवंशी, शिक्षक कांग्रेस के शिव गुप्ता, सर्व शिक्षक संघ के महेन्द्र चंद्राकर, मैदानी स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जी आर क्षत्रिय, विद्यालयीन शिक्षक कर्मचारी संघ के संजय तिवारी सहित महेंद्र चंद्राकर, विद्याभूषण दुबे आदि उपस्थित रहे।

आदिवासी मुख्यमंत्री के शासन में बैगा आदिवासी ही उपेक्षित हो रहे-कांग्रेस

कांग्रेस की जांच समिति सोनवाही पहुंची

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित जांच समिति बुधवार को कवर्धा जिला के विकासखण्ड बोड़ला सुदूर वनांचल के बैगा आदिवासी बाहुल्य ग्राम सोनवाही पहुंची। डायरिया से मृतक परिवारों से मुलाकात कर हाल चाल जाना एवं परिजनों से उक्त घटना की जानकारी ली। जांच समिति ने कहा कि बहुत दु:खद है कि जिन बैगा आदिवासियों को राष्ट्रपति का दत्तक पुत्र कहा जाता है, केंद्र से लेकर राज्य सरकार इनके लिए विशेष योजनाएं बनाता है, वे बैगा आदिवासी एक आदिवासी मुख्यमंत्री के शासन में उपेक्षित हैं।

कांग्रेस जांच समिति ने कहा कि कवर्धा जिले का वनांचल क्षेत्र विशेष पिछड़ी जनजाति क्षेत्र होने के कारण कोई भी सुविधा नहीं है। यहाँ बरसात पूर्व प्रशासन द्वारा पेयजल साफ सफाई की जाने वाली समुचित व्यवस्था नहीं है। मच्छरदानी डीडीटी का छिड़काव, शुद्ध पेयजल, साफसफाई तथा स्वास्थ्य से संबंधित जागरुकता कार्यक्रम संचालित नही किया गया। प्रशासन की इस अनदेखी के चलते 5 बैगा अनुसूचित जनजाति की मृत्यु हो गई। डायरिया पीड़ित झिंगरा बैगा ने जांच समिति को बताया कि उन्हें इलाज के

लिए उपस्वास्थ्य केंद्र झलमला में 2 दिन इलाज किया गया। फिर उसे जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया। यहां 8 दिन इलाज के बाद शाम को डिस्चार्ज कर दिया गया। घर जाने के लिए पीड़ित को किसी प्रकार की कोई परिवहन सुविधा नही दी गई। उन्हें उसी हालत में छोड़ दिया गया जबकि शाम 4 बजे के बाद कोई भी बस या गाड़ी नहीं चलती। मरीज इधर उधर भटकता रहा और पैदल ही घर जाने को मजबूर होना पड़ा। घटना होने के बाद भी स्वास्थ्य शिविर में कोई व्यवस्था नहीं है। यहां से 35 किमी जिला अस्पताल जाना पड़ रहा है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत लाखो रुपए की पानी टंकी बनवाया गया है, लेकिन अभी तक शुद्ध पेयजल की सफ्लाई नही हो रही है। इसके चलते डायरिया पीड़ित परिवार को कुंआ, झिरिया के पानी पीना पड़ रहा है। सोनवाही के ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें मच्छरदानी नहीं मिली, उल्टी-दस्त से जब तक मृत्यु नहीं हो गई तब तक स्वास्थ्य अमला सोता रहा।

यक्त जांच समिति के संयोजक श्री दलेश्वर साहू जी विधायक डोंगरगॉव, इंद्रशाह मंडावी विधायक मोहला मानपुर, जनकराम ध्रुव विधायक बिन्द्रानवागढ़, ममता चंद्राकर पूर्व विधायक पंडरिया जिला अध्यक्ष होरीराम साहू ,नीलकंठ चंद्रवंशी, महेश चंद्रवंशी, भुनेश्वर बघेल पूर्व विधायक,सीमा अगम अनंत अध्यक्ष महिला कांग्रेस सुमर सिंह, ब्लाक अध्यक्ष रेंगाखार हंसराम ध्रुर्वे जिला पंचायत सदस्य, प्रभाती मरकाम जनपद अध्यक्ष बोड़ला, अगम दास .पुसू सिंह, विष्णु सिंह नेताम,प्रकाश अग्रवाल, गोपाल चंद्रवंशी, अजहर खान, जलेश्वर यादव, अश्वनी वर्मा,मेहुल सत्यवंशी, राजेन्द्र मार्कण्डेय, पालेश्वर चंद्राकर, रूपेन वर्मा,उक्त कार्यक्रम में क्षेत्र एवं सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता आम जनता उपस्थित रहे।

कोक ओवन के कर्मचारी शिरोमणी पुरस्कार से हुए सम्मानित

भिलाई (समय दर्शन)। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में शिरोमणी पुरस्कार योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट तथा अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसी के तहत संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में 16 जुलाई 2024 को कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग) श्री तरूण कनरार उपस्थित थे।

श्री तरुण कनरार ने शिरोमणि पुरस्कार समिति द्वारा अनुशंसित, मास्टर ऑपरेटर (बैटरी ऑपरेशन) श्री राजेश कुमार एवं मास्टर ऑपरेटर (कोक सार्टिंग प्लांट) श्री रामेश्वर प्रसाद को जून 2024 के लिए कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया। विजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र तथा उनके जीवनसाथी के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

श्री तरूण कनरार ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने सुरक्षा को प्राथमिकता देकर आगे भी इसी तरह लगन से कार्य करते रहने तथा अपने अधीनस्थ कार्मिकों को भी कार्य में निपुण करने के लिए सभी पुरस्कार विजेताओं को प्रेरित किया।

इस समारोह में महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) श्री समीर राय चौधरी, महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) श्री पी वी वी एस मूर्ति, महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) श्री बी पासवान, महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) श्री बी सी मंडल, महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) श्री झगर सिंह, महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) श्री अतुल गोस्वामी, महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) श्री ए आर साहू तथा सहायक महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) श्री रूपेश कुमार यादव सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। उपस्थित सभी अनुभाग प्रमुखों एवं अधिकारियों ने भी पुरस्कार विजेताओं के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

कार्यक्रम में अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी, श्री प्रवीण शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया एवं संचालन कार्मिक अधिकारी एमटीटी (एचआर-एल एंड डी) सुश्री मारेपल्ली तन्मयी द्वारा किया गया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान में पंडरिया विधानसभा में 51,000 पौधे लगेंगे-भावना

विधायक भावना बोहरा ने कहा- पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू वृक्षारोपण अभियान आज जन आंदोलन बन गया

कवर्धा (समय दर्शन)। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत पूरे देश में लाखों की तादाद में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिससे आने वाले समय में पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने भी अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए पंडरिया विधानसभा में 51,000 फलदार एवं छायादार पौधे लगाने की सार्थक मुहिम शुरु की है। पंडरिया विधानसभा अंतर्गत आने वाले प्रत्येक बूथ में आज से 100 से अधिक पौधरोपण करने की शुरुआत विधायक भावना बोहरा ने अपने गृह ग्राम रणवीरपुर एवं ग्राम बाजार चारभाठा से की। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासियों ने भी विधायक के साथ इस मुहिम में अपनी जनभागीदारी निभाई। इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि प्रकृति से ही देश की प्रगति

जुड़ी हुई है, ऐसे में एक जिम्मेदार नागरिक व जनप्रतिनिधि होने के नाते हमारा यह दायित्व बनता है कि हम भी पर्यावरण के संरक्षण,संवर्धन एवं सुरक्षा में अपना योगदान दें। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरु की गई एक पेड़ माँ के नाम अभियान में देश का हर नागरिक अपनी महती भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रारंभ ष्एक पेड़ माँ के नामष् अभियान केवल अभियान न रहकर अब पूरे देश में जनआंदोलन बन गया हैं। यह अभियान हमारी माँ और धरती माँ के प्रति हमारी श्रद्धा के भाव को प्रकट कर रहा हैं। आज पूरे देश में हर व्यक्ति अपनी माँ और धरती माँ दोनों के नाम से पौधा लगाकर उन्हें प्रणाम कर रहा है।

एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाएं और सुरक्षा का संकल्प लें- भावना- पंडरिया विधायक भावना ने कहा कि मैं पूरे पंडरिया विधानसभा की जनता से भी आग्रह करती हूँ कि हमारे आने वाले भविष्य और पीढ़ियों को एक बेहतर एवं स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए इस मुहिम से जरूर जुड़ें। अपने घर, दफ्तर, स्कूल, कॉलेज, तालाब के किनारे जहां भी संभव हो एक पेड़ माँ के नाम जरूर लगाएं और वृक्ष बनने तक उसकी सुरक्षा का संकल्प जरूर करें।

कबीरधाम जिले के कांवड़ यात्रियों के लिए अमरकंटक में नि:शुल्क भोजन व ठहरने की व्यवस्था रहेगी- भावना बोहरा

कांवड़ यात्रियों की सेवा का सौभाग्य प्राप्त होना महादेव का आशीर्वाद

कवर्धा (समय दर्शन)। इस वर्ष श्रावण माह 22 जुलाई से शुरू हो रहा है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कबीरधाम जिले से सैकड़ों की संख्या में कांवड़ यात्री कठिन यात्रा करके अमरकंटक में भगवान भोलेनाथ के दर्शन व जलाभिषेक के लिए पहुचेंगे। ऐसे में उनकी यात्रा को सुखद व सुगम बनाने के लिए इस वर्ष भी पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा 22 जुलाई से 18 अगस्त तक नवनिर्मित पालिका परिषद, अमरकंटक, जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश में नि:शुल्क भोजन व ठहरने की व्यवस्था की गई है।

बीते तीन वर्षों से उनके द्वारा जिले के कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं के लिए यह नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जा रही हैं। जहां हजारों कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं

को इसका लाभ मिला है। 16 जुलाई को पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कांवड़ यात्रियों के विश्राम स्थल और तैयारियों का जायजा लिया साथ ही कांवड़ यात्रियों व श्रद्धालुओं का विशेष ध्यान रखन व समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि हमारे कबीरधाम जिले के सैकड़ों श्रद्धालु कठिन यात्रा करके भगवान भोलेनाथ जी का जलाभिषेक करने के लिए अमरकंटक तक कांवड़ यात्रा लेकर जाते हैं। उनकी इस आस्था का सम्मान करते हुए और एक जनप्रतिनिधि होने के नाते अपने सामाजिक दायित्वों को पूरा करने हेतु हमने कबीरधाम जिले से कांवड़ यात्रा लेकर अमरकंटक जाने वाले कांवड़ियों के लिए नवनिर्मित पालिका परिषद, अमरकंटक में 22 जुलाई से 18 अगस्त तक ठहरने व भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था की है। कबीरधाम जिले से जाने वाले कांवड़ियों की सुविधा और इस कठिन यात्रा के बाद उन्हें विश्राम मिल सके इसके लिए यह व्यवस्था की है जिससे कांवड़ यात्रियों को राहत मिलेगा। हमारी धार्मिक, सांस्कृतिक व पुरातन संस्कृति के संरक्षण हेतु हमसे जो भी प्रयास होगा वह हम जरुर करेंगे। आज मैंने स्थल का निरीक्षण किया वहां की तैयारियों का जायजा लेते हुए सभी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं ताकि किसी को भी कोई असुविधा न हो।

।। न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कवर्धा, जिला- कबीरधाम ।।

// ईश्तहार //

अ/2, वर्ष 2023-24
ई. कोर्ट नंबर.....
क्र./2538/अ.वि.व./प्रवा-2/2024
कवर्धा, दिनांक 16.07.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं ग्रामवासीगण भोजूराम पिता सहेतर निवास का पता- ग्राम जैतपुरी तहसील- पिपरिया जिला- कबीरधाम, छत्तीसगढ़ के अपने निजी स्वामित्व की ग्राम जैतपुरी प.ह.नं. 34, रा.नि.मं. मरका तहसील- पिपरिया स्थित भूमि खसरा नंबर 109/2, रकबा 0.202 हेक्टेयर भूमि को औद्योगिक प्रयोजनार्थ (गुड़ उद्योग) व्यपवर्तन किए जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है।

अत: आवेदित भूमि का व्यपवर्तन किए जाने से जिन किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो तो सुनवाई तिथि 29.07.2024 को समय 5:30 बजे तक स्वत: या अपने अभिभाषक के माध्यम से कर सकते है। पश्चात के दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 15.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी।
जारी दिनांक 15.07.2024
पेशी दिनांक 29.07.2024

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
कवर्धा
जिला- कबीरधाम (छ.ग.)

मुहर

संक्षिप्त-खबर

मेडिकल स्टोर्स संचालक पर सड़क किनारे मलबा रखने पर लगा जुर्माना, स्वच्छता पर निगम सजग

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के सख्त निर्देश के बाद लगातार स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए निगम प्रशासन हर स्तर पर मानीटरिंग कर रही है।इस कड़ी में निगम कर्मी परम एवं एमएस धर्मकार ने अमले के साथ बुधवार को भवन निर्माण सामग्री का मलबा रखे जाने के मामले में निरन्तर निगरानी के तहत वार्ड क्रमांक 28 हाउसिंग बोर्ड कॉम्पलेक्स में जैनम मेडिकोज के द्वारा अवागमन क्षेत्र में सी एंड डी वेस्ट रेत व गिट्टी रखने पर 500 रुपये जुर्माना वसूला गया है। साथ ही निरीक्षण के दौरान क्षेत्र बॉस पारा निवासी लालजी साहू द्वारा घर के मलबे को गली में डालते हुए पकड़ा गया उन्हें भी तत्काल 500 रुपये का जुर्माना भरना पड़ा। ज्ञात हो कि निगम प्रशासन द्वारा स्वच्छता को लेकर शहर वासियों को निरंतर हिदायत दी जा रही है कि वे खुले में कचरा ना फेंके और ना ही सड़क अथवा सड़क किनारे भवन निर्माण सामग्री रखें।भवन निर्माण सामग्री अथवा मलबा रखे जाने से लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है।निगम अमले ने उक्त मेडिकल संचालक पर जुर्माना लगाने के साथ ही सड़क किनारे रखे मलबा को शाम तक हटाने निर्देशित किया है।

इंटरसेप्टर वाहन से 38 वाहनों पर कार्यवाही कर 24700 रूपये वसूला जुर्माना

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑपरेशन मुकेश ठाकुर के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार खेस, सउनि येनलाल चंद्राकर, कुंजलाल साहू, कमल किशोर श्रीवास्तव, थानेश्वर प्रसाद बांधव एवं यातायात टीम द्वारा को पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा आबंटित नये इंटरसेप्टर वाहन से नेशनल हाईवे पर ओव्हर स्पीड, सीट बेल्ट, प्रेशर हार्न एवं पुलिस अधिकारी के आदेश के अवहेलना पर कुल 38 वाहनों पर कार्यवाही कर 24700 रूपये जुर्माना वसूला गया। यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। इंटरसेप्टर वाहन की मदद से अब यातायात पुलिस यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर लगातार कार्यवाही करेंगी। यातायात पुलिस की आम लोगों से अपील है कि यातायात नियमों का पालन करें, ओव्हर स्पीड एवं शराब सेवन कर वाहन न चलाएं। नियंत्रित गति में वाहन चलाये एवं सुरक्षित रहें।

ई-रिक्शा, ऑटो चालकों को यातायात नियमों का पालन करने दी गई समझाईश

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑपरेशन मुकेश ठाकुर के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार खेस, सउनि कुंजलाल साहू, शरद मसीह, येनलाल चंद्राकर की उपस्थिति में शहर में यातायात का दबाव, ट्रैफिक जाम एवं प्रतिदिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर ई-रिक्शा, ऑटो चालकों का यातायात कार्यालय, राजनांदगांव में मीटिंग लिया गया। जिसमें समस्त ई-रिक्शा, ऑटो चालकों को यूनिक नंबर लिखवाने, यातायात नियमों का पालन करने, चौक-चौराहों व बाजार के अंदर बेतरतीब वाहन नहीं खड़ी करने, क्षमता से अधिक सवारी नहीं बिठाने, शहर में निर्धारित पार्किंग स्थल में ही वाहन पार्किंग करने, प्रतिबंधित क्षेत्र में वाहन नहीं चलाने, चालक के बगल में सवारी नहीं बिठाने, रेड सिग्नल जंप नहीं करने, शराब पीकर वाहन न चलाने, वाहन संबंधी संपूर्ण दस्तावेज पूर्ण कराने हिदायत दिया गया। साथ ही नये कानून के संबंध में ई-रिक्शा, ऑटो चालकों को बताया गया। यातायात पुलिस राजनांदगांव की सभी वाहन चालकों से अपील है कि यातायात नियमों का पालन करें, सड़क दुर्घटना से बचे एवं सुरक्षित रहें।

स्वास्थ्य विभाग की आई बडी लापरवाही

बसना(समय दर्शन)। बसना स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ शासन की बहुत बड़ी लापरवाही सामने आई है। लाखों रूपये की दवाई का जखीरा जिसे नेशनल हाईवे एन एच 53 बसना के पास फेंका गया है। मीडिया मे खबर चलने के बाद स्वास्थ्य विभाग बसना हरकत में आया और आनन फानन दवाईयों को उठा लिया गया है।

बता दें कि स्वास्थ्य विभाग छ ग शासन के द्वारा आम नागरिकों को नि:शुल्क बांटे जाने वाली दवाई एवं इंजेक्शन भारी मात्रा में नेशनल हाईवे एन एच 53 के पास लावारिस पड़ा मिला। रास्ते से गुजरते हुए मीडिया के साथियों की नजर पड़ी। भारी मात्रा में फेंकी गई दवाई एवं इंजेक्शन को देखा गया जिसमें डायक्लोफेनाक रेस्सिटेंस टेबलेट आईपी 50 एमजी बी.नं. डीईसीटी 1145 एमएफडी .08/2023, एक्सपायरी 07/2025, आयरन एंड फोलिक एसिड बी.नं. एफएफएल 230905 एफएमजी दिनांक सितंबर 2023, एक्सपायरी डेअ 2025 अंकित है। इतनी भारी मात्रा में शासकीय दवाईयों को फेंका जाना अनेकों सवालों को जन्म देता है। यह बहुत बड़ा सवाल है ? आखिर क्यों फेंका गया। लाखों रूपये की दवाई को इस तरह से फेंक देना शासन को राजस्व का नुक़सान तो है ही साथ ही छत्तीसगढ़ के आम जनता गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। इस संबंध में नारायण साहू बी एम ओ बसना से संचार के माध्यम से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि यह दवाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसना का का नहीं है। जिला स्वास्थ्य व मुख्य चिकित्साधिकारी, कलेक्टर महासमुन्द को इसकी सूचना दे दी गई है। इन दवाईयों व इंजेक्शन को जांच हेतु सी जी एम एस सी में भेजा गया है। बैच नंबर से पता चल पायेगा कि दवाईयां कहां की है। एफ आई आर दर्ज किये जाने का निर्देश दिया गया है।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पाटन ने प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा का किया सम्मान

पाटन (समय दर्शन)। कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ब्लाक पाटन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन रेस्ट हाउस पाटन में किया गया उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आदरणीय कमल वर्मा प्रांतीय संयोजक कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन छ ग को राजपत्रित अधिकारी संघ के दूसरी बार निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष बनने पर हर्ष व्यक्त करते हुए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रम में कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पाटन के ब्लाक अध्यक्ष व पँचायत सचिव के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष महेन्द्र कुमार साहू ने बताया कि पाटन क्षेत्र स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का गढ़ रहा है इसी पाटन क्ष्सेत्र के ग्राम रवेली में जन्मे आदरणीय कमल वर्मा जी के अटूट प्रयास व मेहनत से छत्तीसगढ़ के 111 कर्मचारी संगठन को एकजुट करके एक मंच में लाकर कर्मचारी अधिकारी फेडरेश बनाया तथा सभी संगठनों के मांग के लिए संघर्षरत है व पाटन ब्लाक फेडरेश की ओर सम्मान किया गया ।

मुख्य अतिथि आदरणीय कमल वर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ के सभी कर्मचारी संगठन अलग अलग अपनी संगठन स्तर पर लड़ाई लड़ते थे आंदोलन धरना प्रदर्शन करते थे जिसपर शासन प्रशासन का ध्यान नही जाता था कर्मचारियों अधिकारियों को डी ए, एच आर ए भी समय पर नही मिलता था जिसके कारण छत्तीसगढ़ के 111 कर्मचारी संगठन को एक करना चुनौती पूर्ण था व प्रत्येक कर्मचारी संगठन के प्रांताध्यक्ष व प्रांतीय पदाधिकारियों से मिलकर प्रदेश स्तर पर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन बनाकर फेडरेशन के बैनर तले पिछली सरकार में ऐतिहासिक आंदोलन करके ड्ड ।।क्र सहित विभिन्न मांगों को लेकर किया गया कोई भी कर्मचारी अधिकारी को डर या भय या दबाव में कार्य करने की आवश्यकता नही है फेडरेशन सभी अधिकारी कर्मचारी के हित व अधिकारों की रक्षा के लिए है अपनी कार्य निष्ठा व ईमानदारी से करने की अपील किया कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जी एस साहू प्राचार्य महकाकला, विशिष्ट अतिथि जय कुमार साहू जी अध्यक्ष संचालयिन (विभागाध्यक्ष) शा.कर्मचारी संघ नवा रायपुर, संदीप वर्मा अध्यक्ष संयुक्त कर्मचारी संघ मंत्रालय विभागाध्यक्ष इंद्रावती भवन नवा रायपुर, टिकेंद्र वर्मा संगठनमंत्री विभागाध्यक्ष शास. कर्मचारी संघ थे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण टिकेंद्र वर्मा संरक्षक अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन ने दिया कार्यक्रम का संचालन ललित कुमार बिजौरा (शिक्षक) ने किया व आभार प्रदीप चन्द्राकर ब्लाक अध्यक्ष सचिव संघ ने किया उक्त कार्यक्रम में पेंशनर्स संघ से हीरा सिंह वर्मा,नोहर सिंह वर्मा, शिक्षक कल्याण संघ से जैनेन्द्र गंजीर प्रदेशअध्यक्ष, श्रवण सिन्हा, रोहित वर्मा, लिपिक संघ अध्यक्ष गोपेन्द्र चन्द्राकर, सचिव संघ से यशवंत आडिल प्रदेश महामंत्री, गिरधर वर्मा,बिहारी लाल साहू,सहित सी एल भूआर्य वरिष्ठ करारोपण अधिकारी, राम सेवक वर्मा, हलधर देवांगन सहा करारोपण अधिकारी, विक्रम सिंह ठाकुर लेखापाल, जितेश कुमार वर्मा अध्यक्ष पँचा.राज कर्मचारी संघ, नीलमणी वर्मा, देवेंद्र कुमार तिवारी, निखिल समाद्दार, धनेश ध्रुवे, अनुपम अग्रवाल, रुस्तम सिंह, अरविंद बंजारे,वीरेंद्र पारकर,आनन्द तिवारी,कपिल सिन्हा,नीलमणी चंदेल,मानसिंग नाविक, दुलेश्वरी देशमुख,एन आर देवांगन, सुरेश श्रीवास, चंपा देवांगन, माखन वासनिक, रूपेश साहू, टिकेश्वर साहू,चन्द्रशेखर देवांगन,दुष्यंत चन्द्राकर,पितेन्द्र देवांगन,भगवती साहू, मोतीलाल मार्कण्डेय, समीर निषाद,आलोक वर्मा आदि उपस्थित थे।

तुमगाव सिरपुर इलाके में फिर हाथियों की धमक, ये गांव हाई अलर्ट पर

सिरपुर(समय दर्शन)। बीते कुछ दिनों से क्षेत्र में हाथियों की आ धमकने से कुछ गाँवों को हाई अलबर्ट किया गया है। जिले के सिरपुर क्षेत्र में एक बार हाथियों की धमक से कौतूहल का विषय बना हुआ है। बता दें कि,जिले में अब तक हाथियों के कुचलने से दर्जनों मौत हो गई है। फारेस्ट विभाग ने ग्रामीणों को चिन्हाकिंत क्षेत्र में न जाने की हाई अलर्ट चेतावनी जारी किया है। वन विभाग के रिपोर्ट के अनुसार, वन मंडल महासमुंद तुमगांव सिरपुर में हाथी का नाम (रूब्2 (बबलू) एक छोटा दंतैल हाथी ओडिशा से है,वहीं 3 दंतैल हाथी कक्ष क्रमांक 132, कक्ष क्रमांक 131, कक्ष क्रमांक 80, एवं कक्ष क्रमांक 133के वन विकास निगम के बांस प्लांट के जंगल में विचरण कर रहा है। फारेस्ट के मुताबिक हाथियों की वर्तमान लोकेशन कक्ष क्रमांक 132,एवं 132 के बांस प्लांट के जंगल में विचरण कर रहे हैं।

इन गांवों के लिए हाई अलर्ट- हाई अलर्ट ग्राम अमलोर, मरौद, रायकेरा ,नांदबारूद, छताल ,सुकुलबाय, केशलडीह ,तालझर, खिरशाली ,बदौरा, अचानकपुर ,फुसेराडीह के ग्रामीणों को सतर्क रहने को कहा गया है। वन विभाग ने चेतावनी देते हुए कहा है कि कोई भी जंगल न जावे, सतर्क रहें, सुरक्षित रहें, एक दूसरे को सचेत करे, हाथी, दिखने पर नजदीकी वन कर्मचारी को सूचना देने अपील किया गया है।

मवेशियों की धर-पकड़ अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों से पकड़े 18 मवेशी

राजनांदगांव। घुमंतु मवेशियों की धर पकड़ के तहत नगर निगम की टीम शहर के प्रमुख चौक-चौराहों में घुमन्तु एवं बैठे मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही कर रही है। इसी कड़ी में आज शहर के प्रमुख मार्गो व चौक चौराहो से 18 घुमंतु मवेशियों की धर-पकड़ की गयी। उल्लेखनीय है कि कई पशु मालिकों द्वारा अपने मवेशियों को खुला छोड़ देते है, जिससे मवेशी चौक-चौराहों में घुमते एवं बैठे रहते है, जिससे यातायात बाधित होती है एवं दुर्घटना की संभावना बनी रहती है, जो आमजनों के साथ ही पशुओ के लिये भी खतरनाक है।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता ने घुमंतु मवेशियों को पकड़ने टीम गठित किये है, गठित टीम चौक-चौराहों से घुमंतु मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही कर रही है। इसी कड़ी में आज प्रमुख मार्गो व चौक-चौराहों मानव मंदिर चौक, जमातपारा, पोस्ट आफिस चौक, सर्किट हाउस चौक, कौरिनभाठा, आरके नगर, रायपुर नाका आदि से घुमंतु मवेशियों की धर-पकड़ के तहत 18 घुमन्तु एवं बैठे मवेशियों को पकड़ा गया। मवेशियों को पकड़कर कांजी हाउस में रखा जाता है एवं उन्हें छोड़ने पर 570-570 रूपये संबंधित से अर्थदंड लेकर मवेशी छोड़ा जाता है। कल जीईरोड, महावीर चौक नया बस स्टैण्ड क्षेत्र से 12 मवेशी पकड़े गये थे।

आयुक्त श्री गुप्ता ने दुर्घटना से बचने मवेशी मालिक अपने जानवर को निर्धारित स्थल में बांध कर रखने तथा चौक-चौराहों व सड़कों पर घुमने पशुओं को खुला न छोड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि चौक-चौराहों व सड़कों पर खुला घुमते पाये जाने पर पशुओं को नगर निगम के अमला द्वारा पकड़कर कांजी हाऊस में बंद कर नियमानुसार शुल्क व जुर्माना भुगतान करने के उपरांत ही मुक्त कर संबंधित पशु पालकों को सौपा जायेगा।

टोल माफ करने को लेकर स्थानीय हड्ताल पर बैठे, आज चक्का जाम करेंगे अनशनकारी

बसना (समय दर्शन)। महासमुंद जिले में एक बार फिर से टोल टैक्स माफ़ करने की मांग जोर पकड़ने लगी हैं । आवेदन और निवेदन के बाद भी टोल प्रबंधन नहीं माना तो जिलेवासी अब अनिश्चितकालीन आंदोलन पर बैठ गए हैं। लोगों का कहना हैं कि, ज़ब तक टोल टैक्स माफ़ नहीं हो जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

लोगों का कहना हैं कि, यह आंदोलन जारी रहेगा ज़ब तक टोल प्रबंधन मांगे पूरी नहीं करता।

आपको बताते चले कि,महासमुंद जिले में 2 टोल गेट आते हैं पहला टोल गेट झलप के पास ढांकना मे है और दूसरा टोल गेट सिंघनपुर के पास सेमलिया मे है। जिलेवासियों की मांग हैं की स्थानीय गाड़ियों का टोल माफ़हो। यान कि महासमुंद जिले की छ्त्त 06 की गाड़ियों का टोल फ्री करने की मांग की जा रही हैं.... दरअसल नेसनल हईवे ह॥ -53 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के महासमुंद में दोनों टोल गेट में जिले वासियो को टोल टैक्स देना होता हैं लेकिन ओड़िशा के बरगढ़ के टोल गेट में जिलेवासियो का टोल टैक्स फ्री है।

वहीं दुर्ग जिला के अंजोरा स्थित टोल गेट में भी दुर्ग जिले छ्त्त-07 की गाड़ियों का टोल फ्री है। अब महासमुंद में टोल टैक्स फ्री करने की मांग जोर पकड़ते नजर आ रही है।

कॉंग्रेस आज किस मुँह से अनर्गल प्रलाप कर रही है-रूपकुमारी चौधरी

बसना महासमुन्द (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी की सांसद रूपकुमारी चौधरी ने छत्तीसगढ़ की कानून-व्यवस्था को लेकर कांग्रेस द्वारा विधानसभा के घेराव के ऐलान को कोरी सियासी ड्रामेबाजी बताते हुए कहा है कि प्रदेश में अपराधों की रोकथाम के लिए प्रदेश सरकार सतत ठोस कदम उठा रही है और मुद्दाविहीन हो चली कांग्रेस इसमें ओछी राजनीति कर रही है।

श्रीमती चौधरी ने कहा कि दरअसल कांग्रेस नेताओं को अपने पिछले शासनकाल के आईने में अपने नाकारापन की सच्चाई देखना चाहिए, जब पूरा प्रदेश अपराधगढ़ बन गया था और प्रदेश के तत्कालीन गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने अपराधों की रोकथाम के मामले में अपने हाथ खड़े कर दिए थे।

भाजपा सांसद श्रीमती चौधरी ने कहा कि आज भाजपा सरकार में प्रदेश को एक ऐसा दृढ़ निश्चयी गृह मंत्री मिला है, जो न केवल अपराधों की रोकथाम के लिए सतत प्रयत्नशील है, अपितु प्रदेश को नक्सलियों के आतंक से मुक्त करने की दिशा में तेजी और सख्ती से पहल कर रहा है।

श्रीमती चौधरी ने कहा कि दरअसल कानून-व्यवस्था तो कांग्रेस के लिए एक बहाना भर है, मूल बात यह है कि जिन नक्सलियों के साथ कांग्रेसियों का भाईचारा है, वे नक्सली कांग्रेस की दुखती रग हैं, और उनके समूल उन्मूलन के लिए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ,गृह मंत्री विजय शर्मा संकल्पित हैं और कांग्रेसी कानून-व्यवस्था का प्रलाप मचाकर शर्मा के खिलाफ एक साजिशाना और झूठा नैरेटिव चला रहे हैं। श्रीमती चौधरी ने कहा कि बीजापुर का कांग्रेसी नेता तेलंगाना में हार्डकोर नक्सली के साथ पकड़ा गया था और यहां भूपेश सरकार के मंत्री उसके अपहरण की कहानी

सुना रहे थे! कांग्रेस के शासन में छत्तीसगढ़ में 1 माह में चार भाजपा पदाधिकारियों की टारगेट किलिंग हुई थी।

इससे अधिक शर्मनाक बात और क्या हो सकती है कि झारखंड के गैंगस्टर भी छत्तीसगढ़ के कारोबारियों को वसूली के लिए धमका रहे थे। जब भूपेश बघेल सहित चार तत्कालीन मंत्री अपने जिले को नहीं संभाल पा रहे थे तो कांग्रेसी बताएँ कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति का धनी-धोरी कौन था? कांग्रेस के नेताओं को शर्म महसूस करनी चाहिए कि उनके शासनकाल में न केवल माफिया राज, गुंडागर्दी बढ़ी, बल्कि प्रदेश के नागरिकों का आत्म-सम्मान के साथ सुरक्षित जीना तक दूभर हो गया था।

हर तरह के अपराधों की तो बाढ़ आ गई थी। आज कानून-व्यवस्था को लेकर कांग्रेसियों के प्रलाप से यह साफहो रहा है कि कांग्रेस ऐसे मामलों में गंदी और ओछी राजनीतिक सोच का प्रदर्शन भर कर रही है।

भाजपा सांसद श्रीमती चौधरी ने कहा कि जिस कांग्रेस के राज में छतीसगढ़ का कवर्धा साम्प्रदायिक दंगे की आग में झुलस गया। जिस कांग्रेस के राज में जबरिया धर्मांतरण के चलते आदिवासियों में वर्ग-संघर्ष के खतरनाक हालात पैदा हो गए थे, जिस कांग्रेस के राज में लव जिहाद के नाम पर बिरनपुर में मस्जिद के अंदर भुनेश्वर साहू की मॉब लिंचिंग कर दर्दनाक हत्या की गई।

जिस कांग्रेस के राज में 'हिन्दुस्तान जिंदाबाद' कहने पर भिलाई में एक सिख युवक की सरेआम हत्या करके उसके शव के साथ तक बदसलूकी की गई।जिस कांग्रेस के राज में मासूम बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाओं की अस्मत सरेआम लहूलुहान होती रही, जिस कांग्रेस के राज में रक्षाबंधन के दिन दो बहनों के साथ दरिंदगी हुई और उसके आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण देने के लिए कांग्रेस के लोग हाथ-पैर मारते देखे गए?

जिस कांग्रेस के राज में शिक्षक दिवस के दिन आदिवासी शिक्षिका सामूहिक यौन दुष्कर्म की शिकार हुई, जिसमें एक आरोपी कांग्रेस का नेता जिस कांग्रेस के राज में शिक्षक दिवस के दिन एक आदिवासी शिक्षिका सामूहिक यौन दुष्कर्म की शिकार हुई, जिसमें एक आरोपी कांग्रेस का नेता था? जिस कांग्रेस के राज में महिला दिवस के दिन राजधानी में महिलाओं पर अत्याचार की पराकाष्ठा की गई।

वह कांग्रेस आज किस मुँह से कानून-व्यवस्था के नाम पर अनर्गल प्रलाप कर रही है? श्रीमती चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में तो पुलिस इंस्पैक्टर बालिका छात्रावास में घुसकर मारपीट और गाली-गलौज करते थे। कई संगीन अपराधों में कांग्रेस नेता या उनके परिजनों की संलिप्तता को प्रदेश भूला नहीं है। इन अपराधियों को कांग्रेस की तत्कालीन भूपेश सरकार राजनीतिक संरक्षण देती नजर आ रही थी। नारी सुरक्षा और नारी आत्मसम्मान पर प्रहार की । भूपेश शासन में पूरी-की-पूरी एक परिपाटी बन गई थी।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26